वर्ष : 33 | अंक : 216 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, मंगलवार, 22 अक्टूबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

फिर नहीं बनी एमवीए में बात

पटोले बोले- उद्धव ठाकरे और शरद पवार से करेंगे मुलाकात

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र में एक तरफ महायुति (बीजेपी, शिवसेना 'शिंदे गुट'और एनसीपी 'अजित गुट') ने तालमेल करके सीटों तक ऐलान शुरू दिया है। दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी (कांग्रेस, शिवसेना 'उद्धव गुट' और एनसीपी 'शरद गुट') के बीच सीट बंटवारा अब तक उलझा हुआ है। सोमवार को उम्मीद लगाई जा रही थी कि महाविकास अघाड़ी में सीटों का बंटवारा तय हो जाएगा, लेकिन फिर से बात नहीं बन पाई। इसे लेकर कांग्रेस नेता नाना पटोले ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज हमने 96 सीटों पर बात की है, लेकिन कुछ ऐसी सीटें हैं जिन पर बात नहीं हो पाई है। आज हम शरद पवार और उद्धव ठाकरे से इस पर बात करेंगे। 30-40 सीटों पर अभी बात नहीं बन पाई है। इसके लिए हम कोई रास्ता निकाल लेंगे।

शिवसेना और कांग्रेस के बीच विवाद

सूत्रों के मुताबिक, महाविकास अघाड़ी में एनसीपी की सीटों को लेकर ज्यादा विवाद नहीं है लेकिन शिवसेना और कांग्रेस के बीच 16-18 सीटों के बीच गहरा विवाद है। दरअसल, शिवसेना (उद्धव गुट) विदर्भ इलाके की 12 से 14 सीटें मांग रही है। उसके मुताबिक, इन सीटों पर पिछले कुछ चुनावों में कांग्रेस लगातार बीजेपी से हारती आई है। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि विदर्भ उसका गढ़ रहा है। आज वो वहां फिर मजबूत हो चुकी है। एक पेंच समाजवादी पार्टी को लेकर भी फंसा है।

2 विधायकों वाली सपा 12 सीटों की मांग कर रही

महाविकास अघाड़ी में 2 विधायकों वाली सपा 12 सीटों की मांग कर रही है। जबकि उसे 5-6 सीटें देने पर ही विचार बना है। ये महाराष्ट्र का ही विवाद है, जिसके चलते यूपी का भी पेंच सपा कांग्रेस के बीच अब तक फंसा है।ऐसे में पूरे मामले पर पार्टी अध्यक्ष नाना पटोले ने आलाकमान को सूचित किया। इसके बाद ये तय हुआ कि सीईसी की बैठक में वही नाम तय हों, जिन सीटों पर अघाड़ी में कोई विवाद नहीं है। इसके बाद मंगलवार को मुंबई में तीनों दलों की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस हो और तीनों दलों में जो सहमति बन गई है, उसका ऐलान कर दिया जाए।

कांग्रेस की CEC बैठक हुई पूरी, 63 सीटों पर चर्चा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) की बैठक खत्म हो गई है। बैठक में 63 सीटों पर चर्चा हुई है। कांग्रेस के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट 23 अक्टूबर को आ सकती है। कांग्रेस को महा विकास अघाड़ी (MVA) में 110 से अधिक सीटें मिल सकती हैं। आज की बैठक में 63 नामों पर चर्चा हुई, जिसमें 50 नाम सिंगल है। हालांकि, हरियाणा से सबक लेते हुए पार्टी सिंगल नामों पर भी मंथन कर रही है। आज 10 से 12 ऐसी सीटों पर चर्चा हुई, जिसमें एक से ज्यादा नाम है।

दोपहर इन्फो

लोकसभा चुनाव में भी आखिरी वक्त तक चली थी रस्साकशी

आज रात की बैठक के बाद भी अगर कुछ सीटों पर विवाद बना रहेगा तो उस पर आगे चर्चा जारी रहेगी। दरअसल, महाविकास अघाड़ी में गठबंधन तो होना है। भले ही कुछ देरी हो रही है। ये संदेश देने के लिए ये रणनीति तैयार की गई है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में भी ये रस्साकशी आखिरी वक्त तक चली। फिर भी सांगली सीट जब शिवसेना उद्धव छोड़ने को तैयार नहीं हुई। फिर कांग्रेस ने अपने बागी को वहां उतारा और पूरी कांग्रेस इकाई ने खुलकर उसका समर्थन करके उसे जिताया।

न्यूज़ ब्रीफ

31 करोड़ 16 लाख रुपए की संपत्ति जब्त

मुंबई। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई में अवैध धन, शराब , ड्रग्स और कीमती धातुओं आदि के मामले में कुल 31 करोड़ 16 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। वहीं राज्य में विधानसभा आम चुनाव-2024 के लिए आदर्श आचार संहिता 15 अक्टूबर 2024 से लागू हो गई है। 15 से 21 अक्टूबर 2024 तक राज्य भर में सी-विजिल ऐप पर कुल 776 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 773 शिकायतों का निपटारा चुनाव आयोग द्वारा कर दिया गया है. यानी कुल 99 फीसदी शिकायतों का निपटारा राज्य के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी किरण कुलकर्णी द्वारा कर दिया गया है।

जन औषधि केंद्रों ने अक्तूबर तक एक हजार करोड़ की दवाएं बेचीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत इस साल अक्तूबर तक एक हजार करोड़ रुपए की दवाओं की बिक्री की गई है। पिछले साल यह लक्ष्य दिसंबर में पूरा किया गया था। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने कहा है कि यह उपलब्धि सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं पर लोगों के बढ़ते भरोसे और निर्भरता को दर्शाती है। यह केवल नागरिकों के अटूट समर्थन से ही संभव हो पाया है, जिन्होंने देश भर में 14 हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों से दवाइयां खरीदकर इस पहल को अपनाया है। गौरतलब है कि फार्मास्युटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) ने गत माह 200 करोड़ रुपए की दवाएं बेची थीं। मंत्रालय ने बताया कि 2014 में जन औषधि केंद्रों की संख्या केवल 80 थी, जो अब बढ़कर 14 हजार से अधिक हो गई है। अब देश के लगभग सभी जिलों तक इसकी पहुंच है।

देश में 10 परमाणु रिएक्टर पर काम जारी

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी संसद की स्थायी समिति को सोमवार को बताया गया कि देश में कम से कम 10 परमाणु रिएक्टर स्थापित किए जा रहे हैं। वहीं, गुजरात के काकरापार में दो रिएक्टरों ने व्यावसायिक रूप से बिजली उत्पादन शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों में स्थापित होने वाले नए परमाणु रिएक्टर 700 मेगावाट क्षमता के हैं। ये अगले कुछ वर्षों में काम करना शुरू कर देंगे। नए परमाणु रिएक्टरों का विवरण समिति के सदस्यों को दिल्ली में एक बैठक के दौरान प्रदान किया गया। समिति के सदस्य और कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि बैठक के दौरान बताया गया कि गुजरात में काकरापार-3 और काकरापार -4 परमाणु रिएक्टर ग्रिड के साथ पूरी तरह से जुड़ गए हैं और बिजली पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है।

'हमने मामला साबित कर दिया', पीड़ित पक्ष का दावा

मुंबई। मालेगांव विस्फोट मामले में सोमवार को हस्तक्षेपकर्ताओं (विस्फोट में मृतकों के परिवारों) के वकीलों ने लिखित दलीलें दायर की। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने संदेह से अधिक मामला साबित कर दिया है, ऐसे में उन्होंने मांग की कि आरोपियों को अधिकतम सजा दी जाए। अभियोजन पक्ष के वकीलों ने विशेष एनआईए अदालत के समक्ष उपस्थित होकर धारा 301 (2) के तहत अपनी लिखित दलीलें दायर कीं और अदालत से प्रार्थना की कि अभियोजन पक्ष ने उचित संदेह से परे अपना मामला साबित कर दिया है, इसलिए आरोपी को अधिकतम सजा दी जा सकती है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आज जारी होगी अधिसूचना

राजा आदाटे | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ महायुति और महाविकास आघाडी (एमवीए) में सीट बंटवारे के फॉर्मूले का अभी पता नहीं है। मगर, विधानसभा चुनाव के लिए 22 अक्टूबर को अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। यानी मंगलवार से चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार नामांकन-पत्र दाखिल कर सकेंगे। उम्मीदवारों के नामांकन-पत्र जमा करने की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर है। नामांकन-पत्रों की छानबीन 30 अक्टूबर को होगी। उम्मीदवार 4 नवंबर तक नामांकन वापस ले सकते हैं। इस चुनाव में महायुति और महाविकास आघाडी के बीच सीधा मुकाबला होगा। हालांकि परिवर्तन महाशक्ति नाम से तीसरा मोर्चा भी मैदान में है।

धीरे-धीरे पत्ते खोल रही हैं पार्टियां

महायुति में सीट बंटवारे से पहले भाजपा ने अपने कोटे की 99 सीटों पर उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) ने अभी तक पांच सूची में कुल मिलाकर 83 प्रत्याशी घोषित किए हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने भी ठाणे शहर और कल्याण ग्रामीण समेत कुछ सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। वहीं परिवर्तन महाशक्ति ने फिलहाल 8 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। पूर्व सांसद छत्रपति संभाजी राजे समेत अन्य छोटे दलों के नेता परिवर्तन महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं। इधर, मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे-पाटील ने अपने संभावित उम्मीदवारों से नामांकन पत्र दाखिल करने का आग्रह किया है। यदि जरांगे-पाटील के समर्थक नामांकन वापसी की आखिरी तारीख के बाद भी मैदान में डटे रहते हैं तो चुनाव दिलचस्प हो जाएगा।

20 नवंबर को होगा मतदान

विधान सभा चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा। वहीं मतगणना के बाद नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

मनपा के 1500 डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ पर बेरोजगारी का संकट

हटाए जा रहे कर्मचारी

- केईएम, सायन, नायर और कूपर अस्पताल से 141 कर्मचारी
- 16 उपनगरीय अस्पतालों से एक हजार कर्मचारी
- डिस्पेंसरी, प्रसूति आदि से 350 से अधिक कर्मचारी

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई मनपा के प्रमुख और उपनगरीय अस्पतालों, प्रसूति गृह, दवाखानों में पिछले कुछ वर्षों से ठेके पर कार्यरत 1500 डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ पर बेरोजगारी का संकट छा गया है। इन 1500 में से आधे से ज्यादा कर्मचारियों को प्रशासन ने बीते महीने ही निकाल दिया है। जबकि शेष कर्मचारियों को एक नवंबर से काम पर न आने का मौखिक आदेश अस्पतालों के अधीक्षकों ने दे दिया है। जबकि बीते दो महीनों से वेतन भी निकाले गए कर्मचारियों को मनपा प्रशासन ने बकाया रखा है। प्रशासन के इस फैसले से अस्पताल में डॉक्टर से लेकर कर्मचारियों की कमी की समस्या मरीजों को भुगतनी पड़ेगी।

दो महीने से वेतन नहीं

कांदिवली शताब्दी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन के रूप में कार्यरत आफताब शेख ने बताया कि उन्हें दो महीने का वेतन दिए बिना ही उनका कॉन्ट्रेक्ट खत्म कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नियुक्ति के समय उन्हें स्थाई करने का आश्वासन प्रशासन ने दिया था। लेकिन अब बिना वजह बताए उन्हें हटा दिया गया। यही कहना है एक अन्य लैब टेक्नीशियन शगुफ्ता का। शगुफ्ता ने बताया कि उन्हें भी दो महीने का वेतन नहीं दिया गया। काम पर से निकाले जाने की वजह तक नहीं दी गई। इसी तरह मुलुंड के वीर सावरकर अस्पताल में कार्यरत डॉ. हरेश ने बताया कि उन्हें एक नवंबर से काम पर न आने का मौखिक आदेश दिया गया है।

ठेके पर कर्मचारियों की नियुक्ति

मुंबई मनपा ने सायन, नायर, केईएम, कूपर सहित 16 उपनगरीय अस्पतालों, दवाखानों आदि के लिए ठेके पर कर्मचारियों की नियुक्ति की थी। इनमें बच्चों के डॉक्टरों से लेकर, कैंसर सहित विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, नर्सेस सहित कई पैरा मेडिकल स्टाफ का समावेश है। इनमें से कुछ नियुक्तियां एक से दो वर्ष पहले तो कई नियुक्तियां 6 महीने पहले की गई थीं। यह सभी नियुक्तियां प्रशासन द्वारा हंगामी तौर (अस्थाई) पर निर्माण किए गए पदों पर की गई थीं। हंगामी तौर पर निर्माण किए गए इन सभी पदों पर मनपा प्रशासन को दो से तीन वर्षों के भीतर स्थाई रूप से कर्मचारियों को नियुक्त करना था। लेकिन प्रशासन इन पदों पर स्थाई रूप से नियुक्तियां करने में असफल रहा। इसी की आड़ लेकर मुंबई मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने एक सर्कुलर जारी कर सभी विभागों के प्रमुखों को इन हंगामी पदों को रद्द करने का आदेश दिया था। अगस्त में जारी इसी आदेश का पालन अब चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

4 आरोपियों की रिमांड बढ़ी

पुलिस अब सभी को आमने-सामने बिठाकर करेगी पूछताछ

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बाबा सिद्दीकी हत्या कांड मामले में आज मुंबई पुलिस को 4 आरोपियों की कस्टडी फिर से मिल गई है। इन सभी आरोपियों की रिमांड आज खत्म हो रही थी, जिस कारण पुलिस ने आज कोर्ट में इन सभी को पेश किया। कोर्ट ने पुलिस की दलील सुनने के बाद इन आरोपियों की कस्टडी बढ़ा दी है। बता दें कि अभी तक इस मामले में पुलिस 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

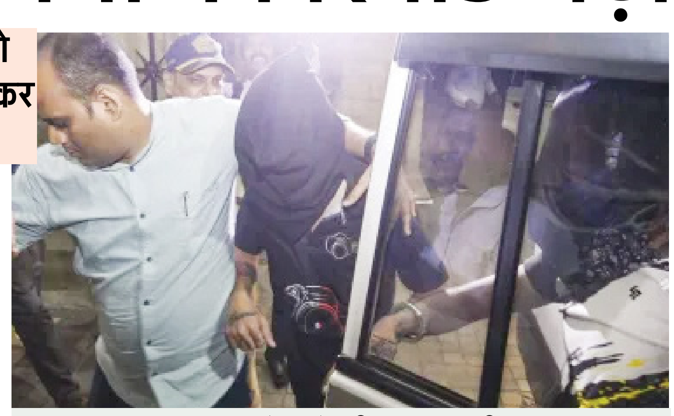

इन आरोपियों की रिमांड बढ़ी

पुलिस को जिन आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था उनके नाम धर्मराज कश्यप, गुरनैल सिंह, हरीश बालक राम और प्रवीण लोनकर हैं। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए इन सभी आरोपियों को 25 अक्टूबर तक फिर से पुलिस कस्टडी में भेजा दिया है। पुलिस ने कोर्ट से कहा कि इन चारों को अन्य आरोपियों के साथ बिठाकर पूछताछ करना है जिस कारण हमें थोड़ा और समय चाहिए।

क्यों मिली रिमांड?

पुलिस ने आगे कोर्ट को बताया कि फिलहाल आरोपियों के कई लिंक आपस में मिल रहे हैं जिसको लेकर जांच करनी है। साथ ही पैसे का ट्रांजैक्शन और अन्य आरोपियों के साथ क्या संबंध है यह भी जानना है। इसके अलावा, आरोपियों द्वारा जो बयान दिए गए हैं इसकी पुष्टि करना भी आवश्यक है इसीलिए जांच के लिए कस्टडी दी जानी चाहिए। वहीं, पुलिस ने जिन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें आमने-सामने बिठाकर पूछता की जाएगी ताकि केस को ठीक तरह से समझा जा सके। इस पर कोर्ट ने विचार विमर्श कर हामी दी और 25 अक्टूबर तक सभी को पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

10 लोग हो चुके गिरफ्तार

गौरतलब है कि पुलिस ने बाबा सिद्दीकी के हत्याकांड में अब तक दो शूटर्स समेत कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और ये सभी आरोपी पुलिस की कस्टडी रिमांड में हैं। बता दें कि बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को बांद्रा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद इस हत्या की जिम्मेदारी एक फेसबुक पोस्ट के जरिए लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी।

मुठभेड़ में पांच नक्सली ढेर

सी60 कमांडो टीम-CRPF की कार्रवाई

गढ़चिरौली। विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए। गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो टीम और सीआरपीएफ की टीम ने ऑपरेशन को

अंजाम दिया। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने बताया कि 20 नवंबर को होने वाले चुनावों के मद्देनजर नक्सली बड़ी वारदात की फिराक में थे। नक्सलियों का एक समूह पिछले दो दिनों से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर जंगल में एकत्र हुआ था और हमले की योजना बना रहा था। इसकी सूचना मिलने पर सी -60 कमांडो की 22 टीमों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो दस्तों ने जंगल क्षेत्र में दो अलग-अलग हिस्से से नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया। जिस इलाके में यह मुठभेड़ हो रही थी, वह बस्तर क्षेत्र के नक्सल प्रभावित जिले नारायणपुर की सीमा पर है।

पुलिस स्मृति दिवस

मुंबई में सीएम शिंदे ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

दीपक पवार | मुंबई

मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुलिस स्मृति दिवस पर कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की।

अब तक 36,468 पुलिसकर्मियों ने दी शहादत

पिछले साल 216 पुलिसकर्मियों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। आजादी के बाद से अब तक 36,468 पुलिसकर्मियों ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

1959 में चीनी सैनिकों ने किया था हमला

बता दें कि 21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों की तरफ से किए गए हमले के दौरान दस पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। तब से, हर साल 21 अक्टूबर को इन शहीदों और ड्यूटी के दौरान शहीद हुए अन्य सभी पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है।

पीएम मोदी ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को किया नमन

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर शहीद पुलिसकर्मियों के श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, आज पुलिस स्मृति दिवस पर हम अपने पुलिस कर्मियों की बहादुरी और बलिदान का सम्मान करते हैं। उनका अटूट समर्पण हमारे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। वे साहस और दृढ़ संकल्प का उदाहरण हैं। मानवीय चुनौतियों के दौरान उनके सक्रिय प्रयास और सहायता भी उतनी ही सराहनीय है।

आदेश | मदरसों को मिलती रहेगी फंडिंग, सरकारी स्कूलों में नहीं स्थानांतरित होंगे बच्चे

मदरसे बंद करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) की सिफारिशों पर सोमवार को रोक लगा दी। इस फैसले के बाद देश भर के मदरसों को भी सरकार की ओर से मिलने वाली फंडिंग जारी रहेगी। एनसीपीसीआर ने शिक्षा के अधिकार कानून का पालन नहीं करने पर सरकारी वित्त पोषित और सहायता प्राप्त मदरसों को मिलने वाली धनराशि रोकने की मांग की थी। आज एससी ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में भेजने के संबंध में NCPCR की सिफारिश भी खारिज कर दी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने आज इस मामले पर फैसला सुनाया। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील की दलीलों को पीठ ने सुना, जिसमें कहा गया कि एनसीपीसीआर और कुछ राज्यों की कार्रवाइयों पर रोक लगाने की जरूरत है।

पूरा मामला समझें

मुस्लिम संगठन ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकारों के उस निर्देश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया कि गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इस वर्ष 7 जून और 25 जून को जारी एनसीपीसीआर के सिफारिश पर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इसके चलते किए गए राज्यों के आदेश भी स्थगित रहेंगे। न्यायालय ने मुस्लिम संस्था को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यों को भी अपनी याचिका में पक्षकार बनाने की अनुमति दी।

BBC की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया

द मोदी क्वेश्चन' पर विवाद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को BBC की डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' पर केंद्र सरकार की रोक मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने कहा- इस मामले पर विचार करने की आवश्यकता है। इसे 10 मिनट में निपटाया नहीं जा सकता है। बेंच ने केंद्र सरकार को फैसले के ओरिजिनल रिकॉर्ड पेश करने के अपने फरवरी 2023 के आदेश का

पालन करने का निर्देश दिया। बेंच का ये निर्देश सीनियर जर्नलिस्ट एन राम, TMC सांसद महुआ मोइत्रा, एडवोकेट प्रशांत भूषण-एम एल शर्मा की याचिकाओं पर आया। सभी ने केंद्र सरकार के डॉक्यूमेंट्री पर रोक के फैसले को चुनौती दी है।

मामले की अंतिम सुनवाई जनवरी 2025 में तय

इसके साथ ही बेंच ने याचिकाकर्ताओं को दो सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने की परमिशन दी है। मामले की अंतिम सुनवाई जनवरी 2025 में तय की गई है।

बीजेपी को लग सकता है बड़ा झटका

भाजपा छोड़ शरद पवार के खेमे में जा सकते हैं संदीप नाइक, टिकट न मिलने से नाराज

दोपहर संवाददाता | नवी मुंबई

महाराष्ट्र आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है। बीजेपी के अनुभवी नेता गणेश नाइक के बेटे संदीप नाइक टिकट न मिलने से नाराज है और बताया जा रहा है कि वह बीजेपी छोड़कर NCP शरद पवार गुट में शामिल हो सकते हैं। दरअसल, बीजेपी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को 99 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया था। इस लिस्ट में ऐरोली विधानसभा से पांच बार के विधायक गणेश नाइक को ऐरोली से टिकट दिया गया है, लेकिन उनके बेटे संदीप नाइक का नाम इस लिस्ट में नहीं है, जिसकी वजह से वो पार्टी से नाराज हैं। वह बेलापुर सीट से टिकट मांग रहे थे। बीजेपी ने बेलापुर से मंदा म्हात्रे को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे संदीप

बताया जा रहा है कि संदीप नाइक मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। साथ ही दावा किया जा रहा है कि वह महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार गुट के संपर्क में हैं। गणेश नाइक नवी मुंबई के अनुभवी हैं और एनसीपी से बीजेपी में आए हैं। उम्मीद है कि अगर संदीप पाला बदलते हैं तो गणेश नाइक चुनाव के दौरान उनसे दूरी बनाए रखेंगे।

रविवार को पहली लिस्ट जारी

बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने रविवार को अपनी पहली लिस्ट जारी की थी, जिसमें 99 कैंडिडेट्स के नाम का ऐलान किया गया। बीजेपी ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को नागपुर साउथ वेस्ट से चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि महाराष्ट्र बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से टिकट दिया है तो वहीं, कणकवली सीट से नीतीश नारायण राणे को और घाटकोपर वेस्ट से राम कदम को कैंडिडेट बनाया है।

इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट से लगी आग

अग्निशमन विभाग ने पहुंचकर बुझाई आग

दोपहर संवाददाता | ठाणे

कलवा विश्वकर्मा नगर में सनराईस अपार्टमेंट के चौथी मंजिल पर रूम न. 406 में बाथरूम के पास वाशिंग मशीन के यूनिट में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इसकी जानकारी टोरेंट कर्मचारी, आपदा प्रबंधन, अग्निशमन विभाग, कलवा पुलिस को तत्काल सूचना दी गई। इसका पता चलते ही आपदा प्रबंधन व अग्निशमन विभाग के जवान फायर ब्रिगेड वाहन लेकर घटना स्थल पर पहुंचकर आग बुझाने में सफल हुए। इस घटना में आपदा प्रबंधन के मुख्य अधिकारी यासीन तड़वी ने बताया कि जानमाल का का नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि उस समय घर में 3 व्यक्ति मौजूद थे लेकिन आग लगने पर सुरक्षा की दृष्टि से घर से बाहर हो गए थे। इस घटना में वाशिंग मशीन, एसी, कपाट, बाथरूम, किचन, कागज पत्र जलकर राख हो गया।

दादर-काजीपेट त्योहार विशेष ट्रेनों के परिचालन को विस्तार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

रेलवे ने दिवाली के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए दादर से काजीपेट तक त्योहार विशेष ट्रेनों के परिचालन को विस्तार देने का निर्णय लिया है। विवरण इस प्रकार हैः

07196 / 07195 दादर-काजीपेट साप्ताहिक विशेष

07196 दादर-काजीपेट साप्ताहिक विशेष को दिनांक 28.11.2024 से 30.01.2025 तक प्रत्येक गुरुवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है। 07195 काजीपेट-दादर साप्ताहिक विशेष को दिनांक 27.11.2024 से 29.01.2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है।

07198 / 07197 दादर-काजीपेट साप्ताहिक विशेष

07198 दादर-काजीपेट साप्ताहिक विशेष को दिनांक 01.12.2024 से 26.01.2025 तक प्रत्येक रविवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है। 07197 काजीपेट-दादर साप्ताहिक विशेष को दिनांक 30.11.2024 से 25.01.2025 तक प्रत्येक शनिवार को चलाने के लिए विस्तार दिया गया है (8 सेवा)

उल्हासनगर मनपा मुख्यालय में प्लास्टिक बोतल के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा मुख्यालय में अभियान चलाकर प्लास्टिक से पानी की बोतलों के उपयोग पर रोक लगाने का आदेश जारी किया जाने की बात मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने कही है।

क्यों लिया गया फैसला ?

मनपा परिसर को स्वस्छ सुंदर बनाने को लेकर एक कदम बढ़ाते हुए मुख्यालय में प्लास्टिक बोतलों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश देते हुए मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने मनपा मुख्यालय, प्रभाग समिति कार्यालयों और मनपा से संबंधित अन्य कार्यालयों में शुद्ध पानी की प्लास्टिक की बोतलों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। मनपा मुख्यालय में विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में वाटर फिल्टर मौजूद हैं। वहां वाटर फिल्टर लगाये जायेंगे तथा स्टील या कांच के गिलासों की व्यवस्था की जायेगी। बाहर से प्लास्टिक की बोतलों में पानी लाना व उपयोग करना प्रतिबंध रहेगा।

कागज बैग इस्तेमाल करने की अपील

फ़िलहाल मनपा के मुख्यालय व अन्य कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों को शुद्ध पानी की बोतलों का उपयोग किया जाता है। साथ ही मनपा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और बैठकों में भी ऐसी बोतलों का इस्तेमाल किया जाता है। इससे मनपा पर पानी पर लाखों करोड़ों रुपये का भार पड़ता है। ऐसे में बोतलों पर प्रतिबंध के कारण मनपा का खर्च कम होने वाला है। इसीलिए प्लास्टिक बैग की जगह कपड़े व कागज के बैग का इस्तेमाल करने की अपील की गयी है।

भाजी मंडी की आरक्षित जगह पर रहिवासी इमारत को मंजूरी

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी मनपा प्रशासक राज में भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा किए जा रहे घोटालों की पोल खुलना शुरू हो गई है। भिवंडी मनपा क्षेत्र अंतर्गत भिवंडी रेलवे स्टेशन के पास स्थित सब्जी मंडी की आरक्षित जगह पर मनपा के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से एक बिल्डर को आवासीय इमारत निर्माण की मंजूरी दी गई है। नगर रचना विभाग अधिकारियों की मिलीभगत से दी गई इमारत निर्माण मंजूरी के वजह से मनपा को लगभग 150 करोड़ का वित्तीय नुकसान होने का अनुमान है तथा करीब 50 करोड़ रुपए का लेनदेन किए जाने का आरोप पूर्व नगरसेवक व जेष्ठ बीजेपी नेता नीलेश चौधरी ने लगाया है।

इमारत निर्माण की मंजूरी को तत्काल रद्द करने की मांग

उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शिकायत कर इमारत निर्माण की मंजूरी को तत्काल रद्द करने की मांग की है। मनपा पूर्व पार्षद चौधरी उक्त मामले में लिप्त मनपा के जिम्मेदार, भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने की तैयारी में हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखे पत्र में मनपा के पूर्व पार्षद निलेश चौधरी ने बताया है कि भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र के सर्वे नं। 161/3/1/अ, 161/3/1/क, 161/3/1/ व, 161/3/2 व 161/4 आरक्षण क्र। जुना 252 (सब्जी मंडी) व नया 202 (भाजी मार्केट) का भूखंड भाजी मार्केट के लिए आरक्षित है। उक्त स्थान के बगल में ही भिवंडी रोड रेलवे स्टेशन है। क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है। उस क्षेत्र में कोई अन्य सब्जी मंडी नहीं है। नागरिकों की सुविधा हेतु सब्जी मंडी होना बेहद जरूरी होने के बावजूद बिल्डर से करोड़ों रुपए का लेनदेन करके मनपा द्वारा आरक्षित सब्जी मार्केट के भूखण्ड पर मनपा नगर रचना विभाग उप अभियंता इजाज गौरी ने बिल्डिंग बनाने की योजना को मंजूरी देकर मनपा को करीब 150 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाई है। आरोप है कि, उक्त मामले में 50 करोड़ का भ्रष्टाचार हुआ है।

डीपी 2023 फाइनल नहीं, फिर भी इमारत निर्माण मंजूरी

पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी ने मनपा अधिकारियों की भ्रष्ट कार्यप्रणाली पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि, 2023 का नया डी।पी।प्लान अभी फाइनल नहीं हुआ। वर्तमान स्थिति में संपूर्ण डी।पी।योजना स्वीकृत नहीं हुई है। मनपा नगर रचना विभाग द्वारा बिल्डर को मंजूरी कैसी दी गई ? अगर आरक्षित भूखंड बिल्डरों के हाथ चले गए तो भविष्य में शहर के नागरिकों की मूलभूत सुविधा के लिए जरूरी कोई जगह नहीं बचेगी। नीलेश चौधरी ने मनपा प्रशासन द्वारा भारी लेनदेन कर अन्य भ्रष्टाचार किए जाने का खुलासा करते हुए कहा कि, इसी प्रकार गोकुल नगर में पार्किंग के लिए आरक्षित स्थान का आरक्षण किसी बिल्डर को फायदा पहुंचाने की खातिर रद्द कर दिया गया है। क्षेत्र में वाहन पार्किंग के लिए कोई स्थान आरक्षित नहीं है। मनपा के अधिकारी किसी भी तरह से कानून का पालन न करते हुए अपनी मनमर्जी से काम कर रहे हैं।

कल्याण ग्रामीण से राजू पाटिल की उम्मीदवारी की घोषणा

दोपहर संवाददाता | डोम्बिवली।

जहां विधानसभा चुनाव के लिए सभी दलों के उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, वहीं मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से मनसे विधायक राजू पाटिल और ठाणे विधानसभा क्षेत्र से मनसे जिला अध्यक्ष अविनाश जाधव की उम्मीदवारी की घोषणा की है। कल्याण शील

रोड पर मानपाड़ा चौक पर राजू पाटिल के चुनाव केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने किया। इस अवसर पर विधायक राजू पाटिल ने राज ठाकरे को छत्रपति शिवाजी महाराज की मेघदंबरी और भगवान श्री राम की भव्य छवि भेंट की। साथ ही अविनाश जाधव और राजू पाटिल आने वाली 24 तारीख को फॉर्म भरने आएंगे और राज ठाकरे ने दर्शकों से बड़ी संख्या में फॉर्म भरने के लिए आने की अपील की है। इस मौके पर राजू पाटील के भाई रमेश पाटील, विनोद पाटील, जिला अध्यक्ष प्रकाश भोईर, शहराध्यक्ष राहुल कामत, पदाधिकारी संदीप उर्फ रमा म्हात्रे के साथ बड़ी संख्या में मनसे पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

आगरी समुदाय का प्रभाव

कल्याण ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र कल्याण, डोंबिवली, दिवा, कल्याण तालुका, अंबरनाथ तालुका के कुछ हिस्सों, हाल ही में स्थानांतरित नवी मुंबई के गांवों जैसे विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है। इस निर्वाचन क्षेत्र में आगरी मतदाताओं की बहुलता है, इसलिए सभी राजनीतिक दलों ने इस मतदाता का वोट पाने के लिए आगरी चेहरे को पेश किया है।

मनपा आयुक्त के आदेश की अनदेखी कर रहे हैं कर्मचारी

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका के विभिन्न विभागों में कई कर्मचारी लंबे समय से एक ही विभाग में काम कर रहे थे, जिसे लेकर कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों के आधार पर प्रशासनिक कार्य में सुधार और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से, महानगरपालिका प्रशासन ने वर्षो से एक ही विभाग में कार्यरत वर्ग 3 और 4 के 54 कर्मचारियों का तबादला किया गया था। उक्त आदेश के कई दिन बीत जाने कर बाद भी मात्र 15 कर्मचारियों ने ही पदोन्नति जगह को जॉइन किया है।

मात्र 15 कर्मचारियों ने ही नई पोस्टिंग की जॉइन की

यह तबादला माननीय प्रशासक एवं आयुक्त के मार्गदर्शन में अतिरिक्त आयुक्त जमिर लेगरकर, उपायुक्त खेडकर और सहायक आयुक्त सुनिल लोंढे की देखरेख में किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत विभिन्न विभागों में पदस्थापना के लिए 54 कर्मचारियों का चयन किया गया था जिनमें अधीक्षक, रोखपाल, वरिष्ठ लिपिक, कनिष्ठ लेखा परीक्षक, शिपाई, मज़दूर, सफाई कर्मचारी और सुरक्षा रक्षक शामिल थे। इसके अलावा 3 सहायक आयुक्त पदों पर अधीक्षकों को, 18 वरिष्ठ लिपिक पदों पर क्लर्कों को और बिजली विभाग के 31 पदों पर कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई थी। मनपा आयुक्त के आदेश को दरकिनार कर मात्र 15 कर्मचारियों ने ही नई पोस्टिंग की जॉइन की है।

उल्हासनगर विधानसभा सीट : कन्फ्यूजन ही कन्फ्यूजन!

- विधायक कुमार आयलानी के टिकट को लेकर शहर में असमंजस
- दोस्ती गठबंधन निभाते हुए क्या कालानी हो सकते हैं शिंदे गुट के उम्मीदवार?

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने 99 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा कर दी है, लेकिन उल्हासनगर से मौजूदा विधायक कुमार आयलानी को इस सूची में जगह नहीं मिली है। इससे उल्हासनगर के राजनीतिक हलकों में कई तरह की बहस छिड़ गई है और चूंकि आयलानी का नाम प्रतीक्षा सूची में बना हुआ है, इसलिए उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर शहर में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

आयलानी का नाम पहली सूची में नहीं आया

भाजपा ने ठाणे जिले के भिवंडी पश्चिम, मुरबाड, कल्याण पूर्व, डोंबिवली, ठाणे, ऐरोली और बेलापुर निर्वाचन क्षेत्रों से मौजूदा विधायकों को फिर से उम्मीदवार बनाया है। हालांकि ठाणे जिले की सबसे छोटी लेकिन राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीट उल्हासनगर में मौजूदा विधायक कुमार आयलानी का नाम पहली सूची में नहीं आया। यह घटना उल्हासनगर के राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि पिछले कुछ दिनों से यह चर्चा चल रही थी कि देवेंद्र फडणवीस से कुमार के काफी करीबी सबंध है। कुमार आयलानी ने उल्हासनगर से विधायक के रूप में अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया, लेकिन उनके आलोचक लगातार उन पर अपने कार्यकाल के दौरान शहर के विकास में संतोषजनक काम नहीं करने का आरोप लगाते रहे हैं। इसके अलावा पार्टी के अंदर भी उनका विरोध बढ़ा हुआ है। साथ ही उनके पक्ष के कुछ कुछ नेता का ही उनके विरोध में खड़े हैं इस बीच उनका नाम उम्मीदवार सूची में न होना पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है।

पप्पू कालानी की राजनीतिक सक्रियता बढ़ी

उल्हासनगर की राजनीति में हमेशा चर्चा में रहने वाले पूर्व विधायक सुरेश उर्फ पप्पू कालानी ने पिछले कुछ महीनों में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। उनके नेतृत्व में उल्हासनगर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने जोरदार मोर्चा संभाल लिया है। राजनीति में सक्रिय हो रहे पप्पू कालानी के बेटे ओमी कालानी अब एनसीपी (शरद पवार गुट) के टिकट पर कुमार आयलानी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। जानकारों का मानना है कि उल्हासनगर में कालानी परिवार की लोकप्रियता और उनका ठोस काम उनके पक्ष में है। उल्हासनगर सीट बीजेपी के लिए हमेशा से अहम रही है, लेकिन अब यहां के राजनीतिक हालात पार्टी के लिए खतरनाक हो गए हैं। पहली सूची में कुमार आयलानी को जगह नहीं मिलने से यह भी चर्चा है कि क्या बीजेपी इस सीट पर अपना उम्मीदवार बदलने के बारे में सोच रही है। इस फैसले से स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ता भी नाराज थे, क्योंकि आयलानी की पार्टी में मजबूत पकड़ थी। शहर में ऐसी भी चर्चा है कि कालानी परिवार की राजनीतिक वापसी व दोस्ती गठबंधन के कारण लोकसभा चुनाव में डॉ श्रीकांत शिंदे को 70 हजार से अधिक मत उल्हासनगर से मिले थे और सिंधी मत विभाजन को रोकने व 141 सीट पर विजय निश्चित करने के लिए शिंदे सरकार दोस्ती गठबंधन का फर्ज निभाते हुए कालानी परिवार को शिवसेना का टिकट दे सकती हैं। अब इस बात को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है कि बीजेपी के उम्मीदवारों की दूसरी सूची कब घोषित होगी। साथ ही यह भी देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी नेतृत्व अपने खिलाफ स्थानीय विरोध के सुर को कैसे संभालेगा और इस मामले में अंतिम फैसला क्या होगा। अब सबकी निगाहें बीजेपी के अगले फैसले पर हैं, जो उल्हासनगर की राजनीति का भविष्य का रंग तय करेगा।

16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी के शांतिनगर क्षेत्र में एक 16 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार भिवंडी के शांतिनगर क्षेत्र में शनिवार की सुबह 7 बजे उसी इलाके के रहने वाले एक शख्स ने 16 वर्षीय किशोरी का दरवाजा खटखटाया, अन्दर से आवाज आई कौन है। व्यक्ति ने कहा भाड़ा दे दो, नाबालिग किशोरी को लगा कि कचरे वाला होगा। यह सोचकर किशोरी ने दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खुलते ही आरोपी ने किशोरी को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिसके बाद उक्त आरोपी ने पीड़ित किशोरी का मुंह दबा कर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया और उसे धमकी देकर फरार हो गया।

मामला दर्ज, जांच जारी

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची शांतिनगर पुलिस ने पीड़ित को उपचार हेतु अस्पताल भेजा और पीड़ित की शिकायत पर आरोपी नईमुद्दीन तफज्जुर अंसारी के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1), 352 व पॉक्सो एक्ट की कलम 4, 8, 12 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की कार्रवाई पुलिस उपनिरीक्षक आनंद राठोड़ कर रहे है।

उद्धव का प्लान बी तैयार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

आघाडी में सीटों को लेकर शिवसेना (उद्धव) और कांग्रेस के बीच मचमच जारी है। कई दौर की बैठक के बावजूद विदर्भ की 6 और मुंबई की 3 सीटों पर दोनों दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई है। शिवसेना (उद्धव) नेताओं का कहना है कि कांग्रेस नहीं मानी

तो हम प्लान 'बी' के तहत राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। हालांकि कांग्रेस नेता भी इसी तरह की बातें कर रहे हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व में बनेगी आघाडी सरकार: पृथ्वीराज

आघाडी में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व में ही एमवीए सरकार बनेगी। चव्हाण के बयान का मतलब है कि कांग्रेस ही राज्य में बड़े भाई की भूमिका में रहेगी। चव्हाण इससे पहले भी कई बार कह चुके हैं कि राज्य में अगला मुख्यमंत्री कांग्रेस से होगा।

परिवर्तन महाशक्ति के उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित

मुख्यमंत्री के खिलाफ उतारेंगे उम्मीदवार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महायुति और महाविकास अघाड़ी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर रहे हैं। बीजेपी ने महागठबंधन में उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है. अजित पवार गुट की पहली सूची आज घोषित की जाएगी. महाविकास अघाड़ी की उम्मीदवारों की सूची भी आज घोषित होने वाली है. ऐसे में राज्य में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच तनाव बढ़ गया है. राज्य में तीसरा गठबंधन बन गया है और परिवर्तन महाशक्ति ने आज उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की। परिवर्तन महाशक्ति ने 10 उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा कर दी है. पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उम्मीदवारों की इस सूची की घोषणा की गई है . परिवर्तन महाशक्ति ने अचलपुर, रावेर, चंदवाड, राजुरा, एरोली, डेंगलूर, शिरोल और मिराज निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। अचलपुर से बच्चू कडू को उम्मीदवार बनाया गया है . दो निर्वाचन क्षेत्र मिराज और शिरोल स्वाभिमानी शेतकर संगठन को दिए गए हैं, लेकिन वहां उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की गई है।

कल्याण पूर्व में आक्रामक हुए शिंदे की शिवसेना के पदाधिकारी और कार्यकर्ता

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और श्रीकांत शिंदे की भूमिका पर जताई नाराजगी

दोपहर संवाददाता | कल्याण

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इसमें कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र से पुलिस थाने में फायरिंग मामले के आरोपी बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड की पत्नी सुलभा गायकवाड़ को उम्मीदवार घोषित किया गया। शिवसेना शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने कहा कि सुलभा गायकवाड़ की उम्मीदवारी से नाराज शिवसैनिकों ने बीजेपी उम्मीदवार के लिए काम नहीं करने का फैसला किया है। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और श्रीकांत शिंदे की भुमिका पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर सुलभा गायकवाड़ का टिकट वापस नहीं लिया गया तो वह जल्द ही आने वाले दिनों में निर्दलीय प्रत्याशी घोषित कर चुनाव लड़ने का फैसला लेंगे।

चुनाव में काम न करने का लिया फैसला

महेश गायकवाड़ ने विधायक गणपत गायकवाड़ के परिवार को उम्मीदवार बनाए जाने पर निर्दलीय उम्मीदवारी दाखिल करने की चेतावनी दी थी। बीजेपी द्वारा सुलभा गायकवाड़ की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद भी शिवसैनिकों में कड़ी नाराजगी है और कल्याण पूर्व के नगरसेवकों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अपना विरोध जताया है। शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ और विधानसभा प्रमुख नीलेश शिंदे ने कहा कि वर्तमान में, शिवसेना के 17 नगरसेवक, 4 ग्राम पंचायत सरपंच उनके साथ हैं और वे जल्द ही निर्दलीय उम्मीदवारी के संबंध में अपने रुख की घोषणा करेंगे। महेश गायकवाड़ ने कहा कि यह फैसला शिवसैनिकों की भावनाओं के खिलाफ है और इसे अन्यायपूर्ण बताया है, उनका मानना है कि इस सीट पर शिवसेना के उम्मीदवार को मौका मिलना चाहिए था, लेकिन भाजपा को टिकट देकर शिवसैनिकों के साथ धोखा किया गया है।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार असफलता से निपटने का तरीका है, फिर से प्रयास करना : कैथरीन डेन्यूव

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामला

भाजपा की अर्चना पाटिल समेत 70 अन्य को राहत

मुंबई/लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले की सत्र अदालत ने बैंक धोखाधड़ी मामले में भाजपा नेता अर्चना पाटिल और 70 अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी है। हालांकि, उदगीर ग्रामीण पुलिस ने दावा किया कि सत्र अदालत का आदेश शनिवार शाम को उनके पास पहुंचा और उन्होंने दोपहर में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली थी।

एफआईआर को किया गया स्थगित

उदगीर ग्रामीण पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक राजकुमार पुजारी ने बताया कि फिलहाल एफआईआर को स्थगित कर दिया गया है। कांग्रेस के दिग्गज नेता शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल और 70 अन्य पर 2014 से 2019 के बीच उदगीर में लाइफ केयर अस्पताल के कर्मचारियों के पैन और आधार का दुरुपयोग करके लगभग 10 करोड़ रुपये का बैंक ऋण लेने का आरोप है। वहीं, एक आरोपी ने एफआईआर दर्ज करने को सत्र न्यायालय के आदेश का उल्लंघन बताया है।

एनसीपी ने उम्मीदवारों को AB फॉर्म बांटना किया शुरू

कैंडिडेट की लिस्ट आज होगी घोषित

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए लिस्ट की आधिकारिक घोषणा से पहले अजित पवार की पार्टी एनसीपी ने अपने उम्मीदवारों को AB फॉर्म बांटना शुरू कर दिया है। कुछ सीटों पर सहमति बनने में देरी के चलते अजित पवार ने कई उम्मीदवारों को टीम का संकेत देते हुए आज अपने आधिकारिक निवास देवगिरी बंगले पर AB फॉर्म सौंपे। जिन उम्मीदवारों को एबी फॉर्म आवंटित किए गए हैं, उनमें से अधिकांश मौजूदा विधायक हैं। उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची आज सुबह घोषित होने की संभावना है।

अब तक इन उम्मीदवारों को एबी फॉर्म दिए गए

संजय बनसोडे	उदगीर
चेतन तुपे	हडपसर
सुनील टिंगरे	वडगांव शेरी
दिलीप वलसे पाटिल	अंबेगांव
दौलत दरोदा	शाहपुर
राजेश पाटिल	चांदगढ़
दत्तात्रेय भरण	इंदापुर
आशुतोष काले	कोपरगांव
हीरामन खोसकर	इगतपुरी
नरहरि झिरवाल	डिंडोरी
छगन भुजबल	येवला
भरत गावित	नंदुरबार
बाबासाहेब पाटिल	अहमदपुर
नितिन पवार	कलवन
इंद्रनील नाइक	पुसाद
अतुल बेंके	जुन्नार
बालासाहेब अजबे	आष्टी
यशवंत माने	मोहोल

शिंदे गुट के MLA पर पुलिस ने दर्ज किया केस

घर से बाहर रह रहे वोटर्स को पैसों की पेशकश का आरोप

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनेताओं की तरफ से मतदाताओं को लुभाने का प्रयास जारी है। वहीं राज्य के छत्रपति संभाजीनगर जिले में शिंदे गुट एक विधायक पर घरों से बाहर रह रहे मतदाताओं को धन की पेशकश करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। मामले में छत्रपति संभाजीनगर पुलिस ने एक वीडियो सामने आने के बाद शिवसेना के विधायक संतोष बांगर के खिलाफ गैर-संज्ञेय मामला दर्ज किया है जिसमें कथित तौर पर उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि घर से दूर रह रहे उनके विधानस क्षेत्र के मतदाता, वोट देने के लिए अगर अपने घर पर आते हैं तो उन्हें ऑनलाइन पैसे दिए जाएंगे।

शिंदे गुट में शामिल हैं विधायक संजय बांगर

संजय बांगर 2019 में अविभाजित शिवसेना से विधायक चुने गए थे, लेकिन पार्टी के विभाजन के बाद वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे में चले गए।

विधायक ने कहा- फोनपे समेत सभी सुविधा मिलेगी

मामले में एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि यह मामला हिंगोली जिले में दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ शिवसेना के नेता संजय बांगर हिंगोली जिले की कलमनुरी विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें उन्हें कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा सकता है, जो भी मतदाता बाहर हैं, उनकी सूची हमें अगले दो-तीन दिन में दे दी जाए। उनसे कहिए वाहन किराए पर लें और उन्हें वो सब कुछ मिलेगा जो वे चाहते हैं। उन्हें फोनपे (ऑनलाइन भुगतान ऐप) समेत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्हें बताएं कि वे हमारे लिए आ रहे हैं।

मामले में चुनाव आयोग ने मांगा था स्पष्टीकरण

बता दें कि इस वीडियो को कुछ क्षेत्रीय समाचार चैनलों ने भी प्रसारित किया है। निर्वाचन आयोग ने पिछले सप्ताह यह वीडियो सामने आने के बाद संजय बांगर से स्पष्टीकरण मांगा था जो उन्होंने पेश कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को कलमनुरी पुलिस ने बांगर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 170 (1) (1) (किसी चुनावी अधिकार का प्रयोग करने के लिए किसी व्यक्ति को प्रेरित करने की खातिर रिश्वत देना या ऐसे किसी अधिकार का प्रयोग करने के लिए किसी व्यक्ति को पुरस्कृत करना) और 173 (रिश्वत) के तहत गैर-संज्ञेय मामला दर्ज किया।

गौरी लंकेश हत्याकांड

आरोपी को कोई पद नहीं देगा शिंदे गुट

सांसद सुप्रिया सुले ने शिंदे गुट पर साधा निशाना

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी श्रीकांत पांगारकर को पार्टी में कोई पद देने से इनकार कर दिया है। विधानसभा चुनाव से पहले पांगारकर शुक्रवार को पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर की उपस्थिति में शिंदे नीत शिवसेना में शामिल हुए थे। खोतकर ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा था, 'पांगारकर पूर्व शिवसैनिक हैं और पार्टी में वापस आ गए हैं। उन्हें जालना विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान का प्रमुख नामित किया गया है।' यह खबर सामने आते ही हंगामा मच गया और लोग शिवसेना के इस फैसले पर सवाल उठाने लगे। इसे लेकर एनसीपी ने शिवसेना शिंदे गुट पर कटाक्ष किया है। एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि पार्टी में शामिल हुए आरोपी को केवल चुनाव होने तक पद से हटाया गया है। चुनाव के बाद शिवसेना शिंदे गुट में गुंडों को शामिल किया जाएगा।

सुप्रिया ने साधा निशाना

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने आरोप लगाया कि श्रीकांत पांगारकर को लेकर शिवसेना की तथाकथित कार्रवाई चुनाव तक सीमित है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि ''गौरी लंकेश हत्याकांड में एक आरोपी को पार्टी (शिवसेना) में लिया गया और फिर हटा दिया गया। लेकिन यह काफी नहीं होगा। केवल चुनाव के लिए नैतिकता का ढोंग किया गया है। चुनाव के बाद ऐसे गुंडों को फिर से शामिल कर लिया जाएगा।"

पांगारकर के चुनाव लड़ने की थी चर्चा

श्रीकांत पांगारकर 2001 से 2006 तक जालना नगरपालिका के पार्षद रहे। उन्हें अगस्त 2018 में गिरफ्तार किया गया था। इस साल 4 सितंबर को कर्नाटक हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दी थी। अविभाजित शिवसेना की ओर से 2011 में टिकट नहीं दिए जाने पर पांगारकर दक्षिणपंथी हिंदू जनजागृति समिति में शामिल हो गए थे। खोतकर ने कहा था कि वह जालना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन महायुति (सत्तारूढ़ गठबंधन जिसमें शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं) में सीट बंटवारे पर चर्चा चल रही है। कुछ दिनों पहले गौरी लंकेश हत्याकांड के मुख्य आरोपियों का उनके गृहनगर पहुंचने पर कुछ हिंदुत्व कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया था। अदालत ने 9 अक्टूबर को परशुराम वाघमारे, मनोहर यादव और 6 अन्य आरोपियों को जमानत दे दी थी।

11 अक्टूबर को उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। वे सभी छह साल से अधिक समय तक सलाखों के पीछे रहे। जब वे अपने गृहनगर पहुंचे तो हिंदुत्व कार्यकर्ता उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास ले गए। भगवा शॉल और माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान भारत माता की जय और सनातन धर्म की जय के नारे लगाए गए।

'महाराष्ट्र में फिर बनने जा रही महायुति की सरकार'

भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला का दावा

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र के कांग्रेस के नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि यह बेमेल का गठबंधन है और चुनाव तक भी टिकना मुश्किल है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा कि ये गठबंधन ही नहीं है। कभी एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार अपनी सीटों की अलग घोषणा करते हैं तो कभी उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री के प्रत्याशी की ही घोषणा कर देते हैं। । भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की सरकार एक बार फिर बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति में सीटों को लेकर कोई मतभेद नहीं रहा, बल्कि भाजपा ने 99 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा भी कर दी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने चुनाव कार्यालयों में अपने सहयोगी दलों के चुनाव चिन्ह भी लगाए हैं, जबकि एमवीए में सिर फुटौवल चल रहा है।

एमवीए में सब ठीक है

सीट बंटवारे के विवाद को लेकर नाना पटोले और संजय राउत की सफाई

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। इसके लिए वोटिंग 20 नवंबर को होगी। जिसमें अब मात्र एक महीने का समय बचा है। लेकिन अब दोनों प्रमुख गठबंधनों ने सीट शेयरिंग का ऐलान नहीं किया है। महायुति के सीट शेयरिंग का फार्मूला लगभग तय माना जा रहा है। वहीं विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान की खबरें आ रही हैं। सूत्रों की माने तो एमवीएम में शामिल कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी में कई सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सोमवार को इन खबरों को अपवाह बताते हुए कहा कि महा विकास आघाड़ी 288 विधानसभा सीट में से 210 पर आम सहमति पर पहुंच गई है जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। संजय राउत ने महायुति में शामिल शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी पर निशाना साधते हुए कहा कि एमवीए का उद्देश्य महाराष्ट्र को लूटने वाली ताकतों की हार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि ''हम 210 सीट पर आम सहमति पर पहुंचे हैं। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमारा लक्ष्य एक संयुक्त ताकत के रूप में चुनाव लड़ना है और हम महाराष्ट्र को लूटने वाली ताकतों को हराएंगे।"

किन सीटों पर है विवाद?

सूत्रों के मुताबिक शिवसेना ने रामटेक और अमरावती लोकसभा की सीटें कांग्रेस को दिए जाने की बात कही जा रही है। लेकिन उसके बदले शिवसेना विदर्भ में 3 सीटें चाहती है। जिस पर कांग्रेस भी अपना दावा ठोंक रही है। कहा जा रहा कांग्रेस विदर्भ से शिवसेना को तीन सीटें देने के मूड में नहीं है।

30-40 सीटों पर बंटवारे की समस्या

इधर नाना पटोले ने भी शिवसेना यूबीटी के महाविकास आघाड़ी से अलग होने के बारे में बताते हुए कहा कि यह बात निराधार है। एमवीए के सभी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सीट शेयरिंग को लेकर बात अंतिम दौर में है। साथ ही महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि "हमने आज 96 सीटों पर चर्चा की है। चर्चा में कुछ सीटें हैं, लेकिन हमने उन पर बात नहीं की। हम कल शरद पवार और उद्धव ठाकरे से बात करेंगे। 30-40 सीटों पर बंटवारे की समस्या बनी हुई है, हम इसका रास्ता निकालेंगे।"

मल्लिकार्जुन खड़गे का महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला

महायुति को बताया- किसान विरोधी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी की गठबंधन वाली महाराष्ट्र सरकार को किसानों का सबसे बड़ा दुश्मन बताया है। उन्होंने एक एक्स पोस्ट में राज्य की सरकार और बीजेपी पर हमला बोला, और कहा कि राज्य की सरकार किसान विरोधी है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार महाराष्ट्र की सबसे बड़ी दुश्मन है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 20 हजार किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने खेती की फंडिंग में भारी कटौती की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पोस्ट में कहा कि सरकार के 20 हजार करोड़ रुपये के वॉटर ग्रिड का वादा झूठा निकला और महाराष्ट्र को सूखा मुक्त बनाने का वादा एक 'जुमला' साबित हुआ। खड़गे ने आरोप लगाया कि अन्नदाता को मुआवजा देने से सरकर ने इंकार कर दिया है। साथ ही सरकार पर हमला करते हुए खड़गे ने कहा कि बीमा कंपनियों पर 8 हजार करोड़ की बौछार किया गया है।

'डबल इंजन सरकार किसानों का भला नहीं कर सकती'

अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर खड़गे ने कहा कि निर्यात प्रतिबंध और अत्यधिक निर्यात शुल्क से प्याज और सोयाबीन किसानों पर बोझ पर पड़ रहा है। किसानों की हालत पर चिंता जताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कपास और गन्ने के उत्पादन में जबरदस्त गिरावट से किसान बेहाल हैं। खड़गे ने तंज कसते हुए कहा कि महाराष्ट्र ने तय किया है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार को सत्ता से हटाना है। सरकार के हटने के बाद ही किसानों का भला होगा।

महारेरा के पास बिल्डरों के खिलाफ मिलीं 5958 शिकायतें

32.36 फीसदी को मिला न्याय

मुंबई। संपत्ति खरीदारों की बिल्डरों से संबंधित शिकायतें महारेरा को मिलती हैं। इसका निपटान महारेरा सुलह मंच के जरिये कर रही है। राज्य से नियामक को अब तक 5958 शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों में से 1749 शिकायतों का निपटारा सुलह मंच ने किया है। सुलह मंच को इन शिकायतों पर 60 दिनों के भीतर और असाधारण परिस्थितियों में 90 दिनों के भीतर निर्णय लेना होता है। जिन घर खरीदारों की शिकायतों का निपटारा किया गया है उनमें सबसे अधिक शिकायतें एमएमआर (मुंबई महानगर क्षेत्र) से थी। महारेरा के सुलह मंच के जरिए कुल शिकायतों में से अब तक 32.36 फीसदी लोगों को न्याय मिला है।

52 सुलह मंच का गठन

राज्य में मुंबई, पुणे, ठाणे, नाशिक, नागपुर सहित विभिन्न स्थानों पर महारेरा ने 52 सुलह मंच का गठन किया है। वर्तमान में सुलह मंचों के जरिये 553 शिकायतों की सुनवाई चल रही है।

"महारेरा में घर खरीदारों की शिकायतों की नियमित सुनवाई की जाती है। शिकायतकर्ताओं के अधिकारों की रक्षा हुए पहली सुनवाई में उन्हें सुलह मंच का विकल्प दिया जाता है। शिकायतकर्ताओं की सहमति के बाद उनकी शिकायत इस फोरम को भेज दी जाती हैं।

मनोज सौनिक, अध्यक्ष- महारेरा

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

जोबनपुत्र कम्पाउंड नाना चौक, मुंबई - 400 007.

एसीडी/ए.ई. (एस.डब्लू.एम)/डी/2895/ दिनांक-21.10.2024

ईओआई

सहायक आयुक्त, 'डी' वार्ड जोबनपुत्र कम्पाउंड, नाना चौक,मुंबई - 400 007 में स्थित है, **'डी' वार्ड** में चुनाव अवधि के दौरान सफाई के लिए एनजीओ मजदूर उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद कोटेशन आमंत्रित करता है। रिक्त कोटेशन फॉर्म सहायक इंजीनियर (एस.डब्लू.एम) 'डी' वार्ड के पास **21.10.2024 से 28.10.2024** तक किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे के बीच उपलब्ध रहेंगे. डी वार्ड में समान प्रकार के कार्य अनुभव वाले कोटेशनकर्ता को वरीयता दी जाएगी.

मोम सीलबंद कोटेशन सहायक आयुक्त डी वार्ड के कार्यालय में नियत तिथि यानी 28.10.2024 को दोपहर 1.00 बजे तक पहुंच जाना चाहिए और उसी दिन शाम 4.00 बजे खोला जाएगा.

कोटेशन दस्तावेज डाक से नहीं भेजे जाएंगे.

हस्ता./-
सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम) 'डी' वार्ड

पीआरओ/1803/विज्ञा./2024-25

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

मध्य रेल

NOTICE FOR E-AUCTION

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पुणे मंडल ने निम्नलिखित संपत्ति की ई-नीलामी हेतु आमंत्रण दिया है। सूची संख्या : ईएफएफ-11009-10-24। विवरण: ट्रेन संख्या :11009/10 के रेल डीब्बे के बाहर विज्ञापन प्रदर्शित करना। नीलामी की तिथि एवं समय: 29/10/2024- को दोपहर 12.00 बजे। विवरण के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

SUN 26 असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

कोर्ट नोटिस

न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, बेरमो मु० तेनुघाट
ऑरिजनल भरण पोषण आवेदन सं0 175/ 2024
केहकेशा प्रवीन वगैरह...........आवेदिका
बनाम
अजहरूद्दीन अंसारी ....विपक्षी

नोटिस बनाम

विपक्षी
अजहरूद्दीन अंसारी पिता नसरूद्दीन अंसारी ग्राम- बड़की टांड, पोस्ट-रोसना, थाना- निमियाघाट जिला- गिरिडीह (झारखण्ड)
एवं
वर्तमान पता- वार्ड नं0 305, थर्ड फ्लोर बी/6/7 सिद्दी विनायक सी.एच.एस. भारत नगर, दैनिक सिवनर मार्ग, लेडी रतन कॉपलेक्स, वारली मुम्बई वरली, महाराष्ट्र, पिन - 400018

सूचित किया जाता है कि आवेदिका केहकेशा प्रवीन ने धारा 125 द० प्र० सं० के तहत भरण पोषण का वाद आपके विरूद्ध न्यायालय में दायर की है। आपकी उपस्थिति के लिए न्यायालय से सम्मन जारी किया गया था परन्तु मुकदमे की जानकारी होने के बावजुद भी आप न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे है आप दिनांक 21/11/2024 को प्रातः 10.30 बजे मेरे न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित होकर कारण पृच्छा दाखिल करें अन्यथा उपरोक्त वाद की सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय कर दी जायेगी। इसे ताकिद जाने।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से दिनांक 8.10.2024 को निर्गत ।

हस्ता/-
अपर प्रधान न्यायाधीश
अतिरिक्त कुटुम्ब न्यायालय
बेरमो स्थित तेनुघाट।

संपादकीय

कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

पहले अमेरिका अपने गिरेबां में झांके

ज्ञानेन्द्र रावत

संविधान एवं न्याय को ताक पर रखकर अमेरिका द्वारा की गई मुठभेड़ों की सूची बहुत लंबी है। साल 1990 में कुवैत। 2001 में अफगानिस्तान। 2003 में इराक। 2014 में सीरिया। 2015 में लीबिया में सीमित हमले। अमेरिकी कांग्रेशनल रिसर्च सर्विस के अनुसार, 1991 से लेकर -जब पूर्व सोवियत संघ के विघटन के साथ शीत युद्ध समाप्त हुआ – 2022 के बीच अमेरिका ने 251 बार सैन्य दखलअंदाज़ी की है। जब अमेरिकियों ने इराक पर बमबारी की थी तो मेसोपोटामिया में प्राचीन सभ्यता के खंडहरों को काफी क्षति पहुंची थी – लेकिन किसी ने एक शब्द तक नहीं कहा। जब अमेरिकी सैनिकों ने सद्दाम हुसैन को मार डाला, जोकि एक असाधारण तानाशाह था, परंतु जिसके पास से, इल्जामों के विपरीत, निश्चित रूप से सामूहिक विनाश का कोई हथियार नहीं ढूंढ़ पाए– तब भी पश्चिमी दुनिया चुपचाप देखती रही। और जब तक अमेरिकी अंततः 21 साल बाद अफ़गानिस्तान से निकले, तब तक वे जनजातीय ताना-बाना नष्ट करने के अलावा स्थानीय राजनीतिक नेताओं को गांठने में सफल हो चुके थे, जिसके चलते तालिबान को पुनः संगठित होने और देश पर फिर से कब्ज़ा करने का मौक़ा मिल गया। कुछ लोग कहेंगे – विशेषकर, आज के ढाका में रहने वाले बांग्लादेशी – कि भारत ने भी तो 1971 में भी यही सब किया था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान को तोड़ना और एक नया देश बनाने में मदद करना था। ओह हां, अमेरिकियों ने इसे भी समझने में गलती की थी – अमेरिकी राजनयिक गैरी बास की पुस्तक, 'द ब्लड टेलीग्राम' पढ़ें, जिसमें आप पाएंगे कि कैसे रिचर्ड निक्सन और हेनरी किसिंजर पूर्वी बंगालियों का बारम्बार नरसंहार किए जाने के बावजूद पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की आलोचना करने से इंकार करते रहे (बांग्लादेश के निर्माण में पूर्वी बंगाल के राजनेताओं की मदद करने वाली इंदिरा गांधी के बारे में वे क्या कहते रहे, इसकी एक अलग कहानी है)। इसलिए, गत सप्ताह अगर किसी को हैरानी हुई हो कि अमेरिका ने किस भौंडे ढंग से भारतीय खुफिया अधिकारी विकास यादव पर अभियोग लगाया है – जिसने खुद उतने ही भौंडे तरीके से एक अमेरिकी नागरिक और खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या करने की कोशिश की, और इस काम को अंजाम देने के लिए सह-षड्यंत्रकारी के माध्यम से एक अमेरिकी पेशेवर हत्यारे को सुपारी देने की कोशिश की, जो बाद में एक अमेरिकी खुफिया मुखबिर निकला – तो, आपको आश्चर्यचकित होने की आवश्यकता नहीं है, भले ही यह कहानी एकदम हिंदी फिल्म की पटकथा सरीखी लगे। बीते वीरवार को न्यायालय में सीलबंद लिफाफे से आरोप पत्र को निकालते हुए न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी डेमियन विलियम्स ने जो कहा, वह सुनें : 'यह मामला उन सब के लिए चेतावनी बने, जो अमेरिकी नागरिकों को नुकसान पहुंचाना और चुप कराना चाहते हैं, हम आपको जवाबदेह ठहराएंगे, कोई फर्क नहीं पड़ता चाहे आप कोई भी हों और जहां कहीं भी हों'। जब आपके अपने हाथों पर इतना खून लगा हो, जैसा कि अमेरिकियों के हाथों पर है, तो आप सोचेंगे कि कम से कम उसे तो मुंह बंद रखना चाहिए था। हालांकि, साफ है, अमेरिकी प्रतिष्ठान में विरोधाभास या खिसियानापन या शर्म के लिए कोई जगह नहीं है – कम से कम, तब नहीं जब डोनाल्ड ट्रम्प और कमला हैरिस के बीच 'करो या मरो' वाला राष्ट्रपति चुनाव संग्राम जारी है। जैसा कि कहा जाता है और यह सत्य है कि डेमोक्रेट पार्टी की सरकार रिपब्लिकनों की तुलना में पारंपरिक रूप से भारत के प्रति अधिक सख्त रही है – शायद, रिपब्लिकन मानवाधिकारों को लेकर उतने चिंतित नहीं हैं, और उनका ध्यान अपने और शेष अमेरिका के लिए अधिक पैसा कमाने की और है, यह बात चीनियों को भी माफिक बैठती है। आपने सोचेंगे कि जो बाइडेन, टोनी ब्लिंकन और जेक सुलिवन को बेहतर समझ होनी चाहिए थी कि वे एक स्वयंभू खालिस्तानी कार्यकर्ता को भारत-अमेरिका संबंधों का केंद्र बिंदु क्यों बनने दें। हैरान भारतीय यह पूछने से खुद को रोक नहीं पाएंगे : क्या अमेरिकी इस बात पर राजी हैं कि भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक खालिस्तान की स्थापना को तूल देकर भारत को तोड़ने की कोशिश करते रहें? कुछ लोग कहते हैं कि बाइडेन-ब्लिंकन-सुलिवन तिकड़ी ने कनाडा के जस्टिन ट्रूडो को भारतीय सरकार की सार्वजनिक तौर पर आलोचना करते वक्त सुर धीमा करने के लिए कहा है। यह एक और मजाक है। सनद रहे, 23 जून 1985 को आयरलैंड के तट पर एयर इंडिया की 'कनिष्क' उड़ान में विस्फोट हो गया था, जिसमें सवार सभी 329 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे? खैर, कनाडा की पुलिस जांच एजेंसी, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने 2000 में जब इस आतंकी कृत्य के लिए दो 'खालिस्तान' समर्थकों को गिरफ्तार किया तो इसमें पूरे 15 साल लगे थे। वही रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने बीते सप्ताह ओटावा में की प्रेस वार्ता में लॉरेंस बिश्नोई के आपराधिक सिंडिकेट का नाम लेकर कहा कि उसने भारतीय अधिकारियों की मिलीभगत से बीते साल हरदीप सिंह निज्जर और एक अन्य कनाडाई नागरिक सुखदूल सिंह की हत्या की है। कनाडा में भारत के राजदूत संजय वर्मा को 'संदेहास्पद सहयोगी' नामित किया गया और उन्हें तुरंत कनाडा छोड़ने के लिए कहा गया। निश्चित रूप से, पिछले सप्ताह ऐसा लगा कि अमेरिका और कनाडा लीक से हटकर भारत में लोगों को दोस्त बनाने और प्रभावित करने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि दो गलतियां मिलकर एक सही नहीं बनाती और एक-दूसरे के प्रति प्रतिशोध वाला व्यवहार पूरी दुनिया को कुछ और अंधकारमय बनाता है। विकास यादव की कलाबाज़ियां निश्चित रूप से माफी योग्य नहीं। इसलिए, भारत ने बात को और बिगड़ने से रोकने की कोशिश की और यादव को सरकारी सेवा से 'हटा' दिया। लेकिन अगर यह प्रक्रिया आगे बढ़ती है, तो बतौर अगले उपाय इंटरपोल से रेड-कॉर्नर नोटिस जारी करवाना, और शायद, उसका प्रत्यर्पण करवाना शामिल होगा। इससे द्विपक्षीय संबंध कठिन दौर से गुजरेंगे। इस बीच, अमेरिका और भारत का घनिष्ठ मित्र इस्राइल गाज़ा पर बमबारी कर उसे पाषाण युग में वापस ले जाने में जुटा है, जिसका खर्च – कम से कम आंशिक रूप से सही-अमेरिकी करदाताओं की जेब से हो रहा है। यहां गौरतलब है कि रूस और चीन, जोकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य भी हैं, वे गाज़ा और लेबनान पर इस्राइल की बमबारी और ईरान प्रायोजित हमास नेताओं की टार्गेटिड किलिंग के खिलाफ ज्यादा कुछ नहीं कह रहे हैं।

जीवन मंत्र — जे कृष्णमूर्ति

अनुशासन पर दुविधा क्यों ?

किसी ने मुझसे सवाल किया है कि सभी धर्मों ने मनुष्य में निहित पाशविक मूल-प्रवृत्तियों को मर्यादित करने के लिए किसी न किसी प्रकार के आत्म-अनुशासन पर जोर दिया है।

संतों और रहस्यदर्शियों का दावा है कि आत्मानुशासन द्वारा उन्होंने ईश्वरत्व प्राप्त कर लिया है। मगर आपकी बातों से ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रकार के अनुशासन ईश्वर-साक्षात्कार में बाधक हैं। मैं दुविधा में पड़ गया हूं कि इस बारे में सही कौन है?

समस्या यह नहीं है कि इस बारे में कौन सही है। जरूरी यह है कि जो भी सच है, उसका पता हमें खुद लगाना है। कुछ लोग कहते हैं कि अनुशासन आवश्यक है; दूसरे कहते हैं, आवश्यक नहीं है। प्रायः होता यही है कि आप उसी को चुन लेते हैं, जो आपको अधिक सुविधाजनक लगता है, अधिक संतोष देता है; आप उस व्यक्ति को, उसके व्यक्तित्व को, उसके रूझानों, व्यक्तिगत पक्षपातों आदि को पसंद करने लगते हैं। इन सबको एक ओर रखकर, आइए हम समस्या पर सीधे विचार करते हैं और इस विषय के सत्य का स्वयं ही पता लगाते हैं। हम अपने को अनुशासित करते भी हैं, तो क्यों करते हैं? अधिकतर व्यक्ति यह अनुभव करते हैं कि किसी न किसी प्रकार के अनुशासन द्वारा हमें अपने अंदर के पशु पर; अपने भीतर की कुरूपता पर नियंत्रण रखना चाहिए। क्या वह कुरूपता

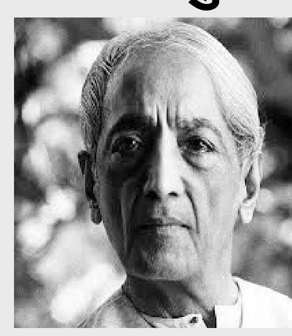

अनुशासन द्वारा नियंत्रित की जा सकती है? अनुशासन से हमारा क्या तात्पर्य है? एक ऐसी प्रणाली, जो किसी पुरस्कार का आश्वासन देती है। वह कार्य की ऐसी विधि है, जिसका अनुशीलन किया जाए, तो जो हम चाहते हैं, वह विधि हमें देगी। वह चाहे सकारात्मक हो या नकारात्मक; आचरण का वह एक ऐसा ढंग है, जिसका यदि परिश्रम, लगन और पूरे उत्साह से अभ्यास किया जाए, तो आखिर में मैं जो चाहता हूं, वह मुझे इससे मिल जाएगा। यह प्रक्रिया कष्टदायक हो सकती है, परंतु मैं इस उपलब्धि के लिए कष्ट सहने को तैयार हूं। आक्रामक, स्वार्थी, पाखंडी, चिंतातुर, भयाक्रांत स्व को, उस स्व को, जो हमारे भीतर की पाशविकता का कारण है, हम आमूल रूप से बदलना चाहते हैं; अधीन कर लेना, नष्ट कर देना चाहते हैं।

मगर यह कैसे किया जाए? अनुशासन द्वारा या फिर प्रज्ञापूर्ण बोध द्वारा, जिसमें हम 'स्व' के अतीत को समझते हैं। स्व क्या है? वह कैसे अस्तित्व में आता है, आदि के प्रति सचेत होते हैं। मनुष्य के भीतर के पशु को हम दमन द्वारा नष्ट करेंगे या प्रज्ञा द्वारा? प्रज्ञा क्या अनुशासन का मसला है? कुछ देर के लिए भूल जाएं कि संतों और अन्य व्यक्तियों ने क्या कहा है; इस विषय का हम स्वयं अन्वेषण करें, मानो पहली बार इस समस्या को देख रहे हों। तभी हम इसके अंत में कुछ सर्जनात्मक पा सकेंगे, दूसरों के उद्धरण किसी काम के नहीं हैं।

जीवन ऊर्जा — कैथरीन डेन्यूव : जन्म-22 अक्टूबर 1943 — जन्म

असफलता से निपटने का तरीका है, फिर से प्रयास करना

कैथरीन डेन्यूव, 22 अक्टूबर 1943 को पेरिस, फ्रांस में जन्मी, एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी अभिनेत्री और मॉडल हैं। अपनी सुंदरता और विविधता के लिए जानी जाने वाली, उन्होंने ₹बेल दे जौर₹ और ₹द उम्ब्रेलस ऑफ शेरबॉर्ग₹ जैसी फिल्मों में प्रसिद्धि प्राप्त की। डेन्यूव ने कई पुरस्कार जीते, जो उन्हें सिनेमा की प्रतीक बना देते हैं।

अगर तुम यह विश्वास नहीं करते कि तुम कर सकते हो, तो तुम्हारे पास कोई मौका नहीं है। असफलता से निपटने का एक ही तरीका है, और वह है फिर से प्रयास करना। जीवन में समस्या यह नहीं है कि तुम कितनी बार गिरते हो, बल्कि यह है कि तुम कैसे वापस उठते हो। जीवन पलों के बारे में है, यादें बनाने और हर गिरावट के बाद उठने के बारे में। मेरा मानना है कि जीवन में किसी भी चीज़ का लक्ष्य यह होना चाहिए कि उसे इतनी अच्छी तरह से किया जाए कि वह एक कला बन जाए। सफलता कोई दुर्घटना नहीं है। यह कड़ी मेहनत, धैर्य, सीखना, अध्ययन करना, बलिदान और सबसे बढ़कर, उस चीज़ के लिए प्यार है जो तुम कर रहे हो। एक फुटबॉल टीम एक खूबसूरत महिला की तरह होती है। जब तुम उसे नहीं बताते, तो वह भूल जाती है कि

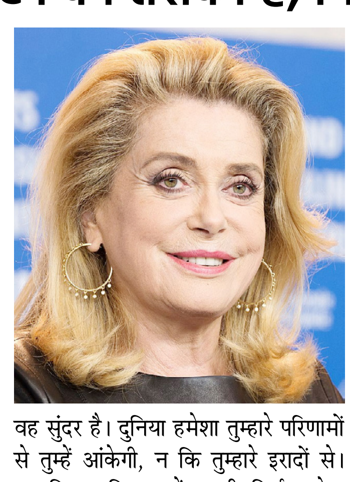

वह सुंदर है। दुनिया हमेशा तुम्हारे परिणामों से तुम्हें आंकेगी, न कि तुम्हारे इरादों से। आधुनिक दुनिया हमें जल्दी निर्णय लेना सिखाती है, लेकिन जीवन में जो फैसले सच में मायने रखते हैं, वे समय और विचार से लिए जाने चाहिए। निरंतरता महत्वाकांक्षा का संकेत है। मेरे लिए प्रेरणा वह व्यक्ति है जिसे किसी सपने द्वारा प्रेरित किया जाता है, जो दूसरों से आगे बढ़ने का लक्ष्य रखता है। किसी के पास इतना भी ज्यादा प्रतिभा नहीं है कि वह केवल उस पर निर्भर रह सके। बिना काम के जीवन कहीं नहीं जाता। एक समय आता है जब तुम्हें पता होना चाहिए कि कब लड़ना है और कब दूर जाना है। तुम ऊपर जाते हो, नीचे आते हो, लेकिन महान चीजें हासिल करने के लिए तुम्हें स्थिर रहना होगा। यह पूर्णता के बारे में नहीं है, यह प्रगति के बारे में है। सफल होने के लिए, तुम्हें उस चीज़ के लिए खुशी का त्याग करने के लिए तैयार होना चाहिए जिसे तुम सबसे ज्यादा चाहते हो। जीवन आगे देखने के बारे में है, कभी पीछे नहीं। अगर तुम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हो, तो तुम अपने किए हुए पर पछता नहीं सकते।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हिन्दू देवियों के नाम और उनका परिचय

- शतरूपा स्वायंभुव मनु की पत्नी
- अदिति कश्यप की पत्नी और देवताओं की माता
- श्रद्धा अंगिरा की पत्नी और बृहस्पति मां
- उषा द्यौ की पुत्री
- माता लक्ष्मी भगवान विष्णु की पत्नी
- देवी तुलसी 13. वृंदा देवी विष्णु का अंश
- विंध्यवासिनी देवी योगमाया यशोदा की पुत्री एकानंशा, श्रीकृष्ण की बहन
- यमुना देवी यमराज की बहन कालिंदी
- शचि इंद्र की पत्नी इंद्राणील ज्वालादेवी की उपासक
- देवी आर्याणि
- पितरों के अधिपति अर्यमा की बहन, अदिति की पुत्री, सूर्यपुत्र रेवंतस की पत्नी हैं
- अम्बिका त्रिदेव जननी जगदम्बे, दुर्गा, कैटभा, महामाया और चामुंडा
- सती दक्ष प्रजापति की पुत्री, भगवान शंकर की पत्नी
- पार्वती राज हिमवान और रानी मैनावती की पुत्री, भगवान शंकर की पत्नी, पुत्र कार्तिकेय, गणेश और पुत्री अशोक सुंदरी की माता

- उमा भूमि की देवी उमा भी भगवान शंकर की पत्नी
- गंगा देवी पार्वती की बहन,
- भद्रकाली मां महाकाली के अनेक रुप हैं, इन्हें श्यामा, दक्षिणा कालिका दक्षिण कालीगुह्म काली, कालरात्री, भद्रकाली, महाकाली, आदि
- वनदुर्गा षठप्रहरिणी असुरमर्दिनी माता दुर्गा का एक रूप है वनदुर्गा, वनों की पीड़ा सुनकर उनमें आश्रय लेने वाले दानवोंका वध करने और वनों की रक्षा करने वनदुर्गा के रूप में अवतरित हुई एक शक्ति है।
- वारुणी वरुण देवी की पत्नी देवी वरुण या वरुणानीवाराणसी में वरुणी पंचकोसी यात्रा होती है।
- नर्मदा देवी शिव या राजा मैखल की पुत्री

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

शख्सियत — कादर खान

सिनेमा का अनमोल सितारा

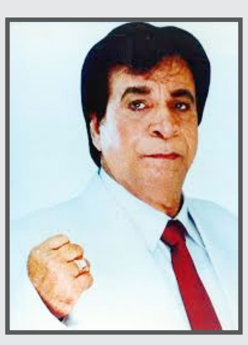

कादर खान का जन्म 22 अक्टूबर 1937 को अफगानिस्तान के काबुल में हुआ था। उनका परिवार बाद में मुंबई, भारत आकर बसा। कादर खान ने मुंबई के इस्माइल यूसुफ कॉलेज से पढ़ाई की और सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा हासिल किया। पढ़ाई के दौरान थिएटर में उनकी रुचि बढ़ी और वहीं से उनके अभिनय का सफर शुरू हुआ।

कादर खान को हिंदी फिल्म जगत में 1970 के दशक में पहचान मिली। उन्हें पहली बार मनमोहन देसाई ने अपनी फिल्म ₹रोटी₹ (1974) में मौका दिया, जहाँ उन्होंने खलनायक का किरदार निभाया। उनकी अदायगी को काफी सराहा गया। इसके बाद उन्होंने अमर अकबर एंथनी और कुली जैसी फिल्मों के संवाद लिखे, जो सुपरहिट साबित हुईं। कादर खान ने अपने करियर में 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और लगभग 250 फिल्मों के संवाद लिखे। उन्होंने कई कॉमेडी और गंभीर भूमिकाओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया। गोविंदा के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय रही। ₹आंखें,₹ ₹दूल्हे राजा,₹ और ₹हीरो नंबर 1₹ जैसी फिल्मों में उनकी कॉमिक टाइमिंग खासतौर पर सराही गई। कादर खान सिर्फ अभिनेता ही नहीं, एक उम्दा लेखक भी थे। उन्होंने मनमोहन देसाई और प्रकाश मेहरा जैसे निर्देशकों के लिए भी संवाद लिखे। ₹शराबी,₹ ₹लावारिस,₹ और ₹सत्ते पे सत्ता₹ जैसी फिल्मों के संवाद आज भी दर्शकों के दिलों में बसे हैं। उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स भी शामिल हैं। कादर खान का भारतीय सिनेमा में योगदान अमूल्य है। 31 दिसंबर 2018 को लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हुआ, लेकिन उनके संवाद और फिल्में उन्हें हमेशा जिंदा रखेंगी।

प्रेरक प्रसंग

चिड़ियाघर का ऊंट

एक ऊंटनी और उसका बच्चा एक पेड़ के नीचे आराम कर रहे थे। बच्चे ने पूछा, "माँ, हम ऊँटों का ये कूबड़ क्यों निकला रहता है?"
"बेटा हम लोग रेगिस्तान के जानवर हैं, ऐसी जगहों पर खाना-पानी कम होता है, इसलिए भगवान् ने हमें अधिक से अधिक फैट स्टोर करने के लिए ये कूबड़ दिया हैजब भी हमें खाना या पानी नहीं मिलता हम इसमें मौजूद फैट का इस्तेमाल कर खुद को जिंदा रख सकते हैं।" ऊंटनी ने उत्तर दिया। बच्चा कुछ देर सोचता रहा फिर बोला,
" अच्छा, हमारे पैर लम्बे और पंजे गोल क्यों हैं?" "इस तरह का आकार हम ऊँटों को रेत में आराम से लम्बी दूरी तय करने में मदद करता है,इसलिए।" माँ ने समझाया।
बच्चा फिर कुछ देर सोचता रहा और बोला, "अच्छा माँ ये बताओ कि हमारी पलकें इतनी घनी और लम्बी क्यों होती हैं?"
"ताकि जब तेज हवाओं के कारण रेत उड़े तो वो हमारी आँखों के अन्दर ना जा सके।" माँ मुस्कुराते हुए बोली।
बच्चा थोड़ी देर चुप रहा फिर बोला," अच्छा तो ये कूबड़ फैट स्टोर करने के लिए है लम्बे पैर रेगिस्तान में तेजी से बिना थके चलने के लिए हैं पलकें रेत से बचाने के लिए हैंलेकिन तब हम इस चिड़ियाघर में क्या कर रहे हैं?"
दोस्तों, यही सवाल हमें खुद से पूछना चाहिए। ईश्वर ने हर एक इंसान को unique बनाया है। हर व्यक्ति में इतना potential है कि वह कुछ बड़ा कुछ महान कर सकता है। लेकिन ज्यादातर लोग चिड़ियाघर का ऊंट बन जाते हैं अपने अन्दर मौजूद अपार काबिलियत का प्रयोग ही नहीं करते बेजुबान जानवर तो मजबूर है लेकिन एक इंसान होने के नाते हमें मजबूर नहीं मजबूत बनाना चाहिए और अपने अन्दर के टैलेंट को पहचान कर अपनी बेस्ट लाइफ जीने की हर कोशिश करनी चाहिए।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

दिल्ली में AQI 300 पार

ग्रैप-II की पाबंदियां लागू; जेनरेटर के इस्तेमाल पर सख्ती

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण की स्थितियों को देखते हुए ग्रैप के दूसरे चरण की पाबंदियों को लगा दिया गया है। ग्रैप कमेटी ने हालात की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया। एयर क्वालिटी मैनेटमेंट आयोग ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) के संशोधित नियमों को लागू किए जाने के वैधानिक निर्देश जारी किए। इससे पहले GRAP नियमों को लागू करने के लिए गठित उप-समिति ने अपनी बैठक में एक्यूआई के साथ मौसम विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए पूर्वानुमानों की व्यापक समीक्षा की।

प्रदूषण का स्तर और घातक

दरअसल, सोमवार को प्रदूषण का स्तर और घातक हो गया। सीपीसीबी के मुताबिक सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 310 के अंक पर रहा। दिल्ली में सोमवार को सुबह एक्यूआई 300 के आसपास जबकि शाम को 4:00 बजे 310 रिकॉर्ड किया गया। आलम यह कि दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया। आनंद विहार यह 359, बवाना में 345, आरके पुरम में 349, शादीपुर में 349 और वजीरपुर में 348 दर्ज किया गया।

राहत के नहीं हैं आसार

आईएमडी के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों और शांत हवाओं के कारण आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण से राहत नहीं मिलेगी। दिल्ली में एक्यूआई के बहुत खराब श्रेणी (301 से 400) में रहने की संभावना है। इन्हीं वजहों को देखते हुए उप-समिति ने मंगलवार सुबह 8:00 बजे से GRAP के दूसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का फैसला लिया है।

कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा : फारूक

पड़ोसी आतंकी हमले रोके तभी बातचीत

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा- अगर इस्लामाबाद भारत के साथ दोस्ताना संबंध रखना चाहता है तो उसे यहां आतंकी घटनाएं रोकनी होंगी। उन्होंने कहा- दोनों देशों में बातचीत कैसे हो सकती है? आप (पाकिस्तान) हमारे निर्दोष लोगों को मारते हैं और फिर बातचीत के लिए कहते हैं। जब तक पड़ोसी देश जम्मू-कश्मीर में हत्याएं बंद नहीं करता, तब तक नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच कोई बातचीत नहीं हो सकती।

गांदरबल में 7 लोगों की टारगेट किलिंग हुई

अब्दुल्ला ने कहा कि मैं पाकिस्तान के शासकों से कहना चाहता हूं कि अगर वे वाकई भारत से दोस्ती चाहते हैं, तो उन्हें यह सब बंद कर देना चाहिए। कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। अब्दुल्ला की ये बात 20 अक्टूबर की रात गांदरबल में हुए हमले में 7 लोगों की मौत पर कही। उधर, जम्मू-कश्मीर के LG मनोज सिन्हा ने भी आज कहा कि सुरक्षाबल गांदरबल हमले में मरने वालों का बदला लेंगे और ऐसी कीमत वसूलेंगे जिसे आतंकवादी आने वाले समय में याद रखेंगे।

वायनाड में कल नामांकन से पहले रोड शो करेंगी प्रियंका

कांग्रेस महासचिव के साथ मौजूद रहेंगे राहुल, सोनिया और खरगे

एजेंसी । वायनाड

वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को नामांकन से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी रोड शो करेंगी। दो से ढाई घंटे के इस रोड शो में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उनके साथ रहेंगे। प्रियंका यह चुनाव जीतती हैं तो यह पहली बार होगा कि गांधी परिवार के तीन सदस्य सोनिया, राहुल और प्रियंका एक साथ संसद के सदस्य होंगे।

प्रियंका ने की खरगे से मुलाकात

नामांकन से पहले प्रियंका ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद लिया। प्रियंका ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि प्रियंका का रोड शो सुबह 11 बजे कलपेट्टा न्यू बस स्टैंड से शुरू होगा, जिसमें राहुल भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा नामांकन के वक्त प्रियंका के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे। प्रियंका 2019 से सक्रिय राजनीति में हैं, पर चुनाव पहली बार लड़ रही हैं। लोकसभा चुनाव में राहुल ने वायनाड और रायबरेली सीट से जीत दर्ज की थी। चुनाव के बाद पार्टी ने ऐलान किया था कि राहुल रायबरेली सीट से सांसद रहेंगे। इसके बाद उन्होंने वायनाड सीट से इस्तीफा दे दिया था और पार्टी ने प्रियंका को वहां से अपना उम्मीदवार बनाया।

केंद्रीय मंत्री ने ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन की शुरुआत की

अस्थायी कर्मी एक ही पोर्टल से सभी योजनाओं का ले सकेंगे लाभ

एजेंसी । नई दिल्ली

असंगठित में काम करने वाले श्रमिक केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ आसानी से उठा पाएंगे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सोमवार को ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन की शुरुआत की। इस मौके पर केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि अब ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के 30 करोड़ श्रमिक सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का बिना किसी रुकावट के लाभ उठा पाएंगे। मंत्री ने बताया कि ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन का प्राथमिक उद्देश्य असंगठित श्रमिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना और सरकारी कल्याण योजनाओं तक उनकी पहुंच को सुविधाजनक बनाना है। यह एक पुल के रूप में काम करेगा, जो श्रमिकों को सरकार द्वारा दिए जाने वाली योजनाओं और उनके लाभों से जोड़ेगा। इसके साथ ही, पंजीकरण प्रक्रिया को आसान और अधिक पारदर्शी बनाएगा। वह पोर्टल के जरिए जान पाएंगे कि उनके लिए कौन सी योजनाएं संचालित है और वो कैसे लाभ उठा सकते हैं।

हर दिन 60-90 हजार श्रमिक हो रहे पंजीकृत

26 अगस्त 2021 को ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की गई थी, जिसे कि असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे श्रमिकों को पोर्टल पर पंजीकृत किया जाए। आज हर दिन 60 से 90 हजार कर्मचारी ई-श्रम प्लेटफॉर्म से जुड़ रहे हैं। अब तक जुड़ने वाले श्रमिकों की संख्या तीन करोड़ से अधिक पहुंच गई है।

पोर्टल से इन योजनाओं को जोड़ा गया

- वन नेशन वन राशन कार्ड
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम
- राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कैरियर सेवा
- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन व अन्य योजना

आतंकी पन्नू की 7 दिन में 90 विमानों को उड़ाने की धमकी

एजेंसी । टोरंटो

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सोमवार को एक बार फिर एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी है। उसने अपनी धमकी में कहा है कि 1 से 19 नवंबर के बीच एयर इंडिया की फ्लाइट को निशाना बनाया जा सकता है। पन्नू ने दावा किया कि यह हमला कथित 'सिख नरसंहार की 40वीं बरसी' के मौके पर किया जाएगा। पन्नू प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) का संस्थापक है। उसके पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता भी है। उसने पिछले कुछ वर्षों में कई बार एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी दी है।

पन्नू के कारण बिगड़े भारत-कनाडा संबंध

पन्नू की यह नई धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत में कई एयरलाइनों को संभावित बम विस्फोटों के बारे में कई धमकी भरे कॉल मिले हैं, जो सभी फर्जी निकले। यह ऐसे समय में भी हुआ है जब भारत और कनाडा के बीच एक कूटनीतिक विवाद चल रहा है। कनाडा ने भारत पर अपने देश में खालिस्तानी आतंकवादियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है, जिसमें एक अन्य आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या भी शामिल है।

संसद पर हमले की दी थी धमकी

पिछले साल दिसंबर में, पन्नू ने कथित तौर पर उन्हें मारने की साजिश नाकाम होने की रिपोर्ट के बाद 13 दिसंबर को या उससे पहले संसद पर हमला करने की धमकी दी थी। 13 दिसंबर को 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की सालगिरह है। उसने इस साल गणतंत्र दिवस पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्य पुलिस महानिदेशक गौरव यादव को मारने की भी धमकी दी थी। उसने गैंगस्टरों से एकजुट होकर 26 जनवरी को मान पर हमला करने का भी आग्रह किया।

पहले भी भारत को धमकियां देता रहा है पन्नू

नवंबर 2023 में, पन्नू ने एक वीडियो जारी किया जिसमें दावा किया गया कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदल दिया जाएगा और 19 नवंबर को बंद रहेगा, लोगों को उस दिन एयर इंडिया से उड़ान न भरने की चेतावनी दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उन पर आपराधिक साजिश रचने, धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत विभिन्न अपराधों का आरोप लगाया है।

भारत में मोस्ट वांटेड है पन्नू

पन्नू को जुलाई 2020 से गृह मंत्रालय द्वारा देशद्रोह और अलगाववाद के आरोपों में आतंकवादी घोषित किया गया है। वह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का नेतृत्व करता है, जो एक अलग संप्रभु सिख राज्य की वकालत करने वाला समूह है। इससे एक साल पहले, भारत ने ‟राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक” गतिविधियों में शामिल होने के लिए एसएफजे को ‟गैरकानूनी संघ” के रूप में प्रतिबंधित कर दिया था।

गुजरात यूनिवर्सिटी मानहानि केस

केजरीवाल की याचिका खारिज

- समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे
- PM मोदी की डिग्री को फर्जी बताया था

एजेंसी । नई दिल्ली

गुजरात यूनिवर्सिटी मानहानि केस से जुड़ी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो गई। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने सोमवार को कहा संजय सिंह के खिलाफ भी इसी केस से जुड़ी याचिका लगाई गई थी, जो 8 अप्रैल को खारिज कर दी गई थी। हमें इस याचिका को लेकर भी एक जैसी अप्रोच रखनी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री को लेकर सवाल

दरअसल, अरविंद केजरीवाल और AAP नेता संजय सिंह ने मार्च 2023 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री को लेकर सवाल उठाए थे। ये डिग्रियां गुजरात यूनिवर्सिटी से जारी की गई थीं। गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने दोनों नेताओं के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया था, जिसे लेकर अहमदाबाद की निचली अदालत ने केजरीवाल को समन भेजकर कोर्ट में पेश होने के लिए कहा था। समन के खिलाफ केजरीवाल गुजरात हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उनकी याचिका खारिज हो गई थी। इसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने कार्रवाई पर रोक से इनकार कर दिया।

गुजरात यूनिवर्सिटी का आरोप- यूनिवर्सिटी की छवि खराब की गई

गुजरात यूनिवर्सिटी ने केस दर्ज कराते हुए कहा था कि केजरीवाल और संजय सिंह ने यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने की कोशिश की है। दोनों नेताओं ने संस्थान की प्रतिष्ठा पर सवाल उठाए हैं। उनको पता है कि PM की डिग्री पहले ही वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी है। इसके बावजूद दोनों नेता कह रहे हैं कि डिग्री न दिखाकर यूनिवर्सिटी सच छिपा रही है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। शिकायतकर्ता के वकील अमित नायर ने बताया कि गुजरात विश्वविद्यालय को निशाना बनाने वाली दोनों नेताओं की टिप्पणियां मानहानिकारक और संस्थान की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाती हैं। गुजरात विश्वविद्यालय की स्थापना 70 साल से भी पहले हुई थी। यह विश्वविद्यालय लोगों के बीच प्रतिष्ठित है और आरोपी के बयान से विश्वविद्यालय के बारे में अविश्वास पैदा होने का खतरा है।

न्यूज़ ब्रीफ

अकोला में योगेंद्र यादव के साथ अभद्रता, सभा नहीं होने दी

अकोला। सोमवार को राजनीतिक विश्लेषक योगेंद्र यादव के साथ अभद्रता की गई। वे भारत जोड़ो अभियान के तहत विदर्भ दौरे पर थे। यादव 'संविधान की रक्षा और हमारा वोट' विषय पर सम्मेलन कर रहे थे तभी 40-50 लोगों की भीड़ मंच पर चढ़ गई और उनके साथ अभद्रता की। स्थानीय लोगों ने उन्हें किसी तरह बचाया। सभा वहीं समाप्त हो गई। बाद में पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को संभाला।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट छोड़ी, गांदरबल बरकरार रखी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने बडगाम विधानसभा सीट छोड़ है। उन्होंने गांदरबल सीट बरकरार रखी है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने दोनों सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की थी। अब्दुल्ला के फैसले का प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल ने सोमवार को सदन में ऐलान किया। गांदरबल विधानसभा सीट अब्दुल्ला परिवार का गढ़ मानी जाती है। 54 साल के उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2009 से 2014 तक यहां से विधायक थे।

भारत-चीन के बीच LAC पर पेट्रोलिंग को लेकर समझौता

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच LAC पर पेट्रोलिंग को समझौता हो गया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में भारत और चीन के बीच राजनयिक और सैन्य स्तर पर कई वार्ताएं हुई हैं। इन वार्ताओं के परिणामस्वरूप दोनों देश के बीच LAC पर पेट्रोलिंग को लेकर समझौता हुआ है। साथ ही दोनों देशों ने 2020 में पैदा हुए सीमा तनाव को जल्द सुलझाने के लिए संकल्प भी पारित किया गया है।

हिंदुत्व' शब्द को 'भारतीय संविधानत्व' से बदलने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व शब्द को 'भारतीय संविधानत्व' शब्द से बदलने की याचिका को खारिज कर दिया है। CJI चंद्रचूड़, जस्टिस जेपी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सोमवार को कहा कि यह प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। हम इस याचिका को स्वीकार नहीं करेंगे। याचिका दिल्ली के विकासपुरी में रहने वाले SN कुंद्रा ने लगाई थी।

कई देश हो सकते हैं BRICS में शामिल

नई दिल्ली। वोल्गा नदी के किनारे बसे रूस के कजान शहर में 22 अक्टूबर से ब्रिक्स (BRICS) का 16वां शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। वैसे तो इस संगठन का उद्देश्य आर्थिक रहा है, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में इसका बड़ा महत्व माना जा रहा है। मेजबान देश रूस का ढाई साल से यूक्रेन के साथ युद्ध चल रहा है।

लोग ज्यादा बच्चे पैदा करें : चंद्रबाबू

एजेंसी । अमरावती

आंध्र प्रदेश के CM एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य में लोगों की बढ़ती औसत उम्र चिंता का विषय है। परिवारों को कम से कम दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। आने वाले समय में जिनके दो या उससे ज्यादा बच्चे होंगे, वहीं स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाएंगे। राज्य सरकार इसके लिए जल्द ही कानून बनाएगी। नायडू ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं, जहां गांवों में सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। साउथ के राज्यों में फर्टिलिटी रेट लगातार गिरता जा रहा है। देश में औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं साउथ स्टेट्स में यह आंकड़ा गिरकर 1.6 तक पहुंच गया है। CM ने कहा, पहले वह पॉपुलेशन कंट्रोल की बात करते थे लेकिन अब स्थिति बदल गई है। केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के मुताबिक 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी, जो अभी 47% से ज्यादा है। अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी।

कार्यवाही — रेप और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी

प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक हाई कोर्ट से निलंबित जनता दल (एस) के नेता प्रज्वल रेवन्ना को झटका लगा है। रेप और यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। इस मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस नागप्रसन्ना की अदालत ने एक महीना पहले इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जेडीएस के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न और रेप के तीन मामले दर्ज हैं।

आरोप रेवन्ना पर सीधे तौर पर नहीं लगाए : नवदगी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 66ई के तहत आरोपों पर नवदगी ने कहा था कि ये आरोप रेवन्ना पर सीधे तौर पर नहीं लगाए हैं। उन्होंने शिकायत में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए दलील दी थी कि इस मामले में देरी को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। राज्य की ओर से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक प्रोफेसर रवि वर्मा कुमार ने दलील दी थी कि पीड़ित को रेवन्ना ने धमकाया था और उसने शिकायत में देरी की वजह भी बताई थी। रवि वर्मा कुमार ने जोर देकर कहा कि पीड़ित के बाद के बयान में धमकी का जिक्र है। उन्होंने यह भी कहा था कि फोरेंसिक साक्ष्य रेवन्ना के खिलाफ विशेषकर पीड़ित की बेटी के संबंध में उसके आरोपों का समर्थन करते हैं।

प्रज्वल रेवन्ना के वकील की क्या थी दलील?

इससे पूर्व न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की पीठ ने पहले मामले में रेवन्ना के आवेदन और इसी तरह की शिकायतों से संबंधित दो अग्रिम जमानत याचिकाओं पर दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान अदालत ने वकीलों को निर्देश दिया कि वे पीड़ितों के नाम का जिक्र करने से बचें, इसके बजाय वे मामले से जुड़े दस्तावेजों में विशिष्ट विवरण का जिक्र करें। रेवन्ना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुलिंग के. नवदगी ने घटनाओं के वक्त का जिक्र करते हुए जोर दिया था कि जिस महिला ने इससे पहले रेवन्ना पर अवैध तरीके से उसके घर से निकाले जाने का आरोप लगाया था उसने शुरू में उन पर यौन दुर्व्यवहार का आरोप नहीं लगाया था। नवदगी ने आगे दलील दी थी कि फोरेंसिक रिपोर्ट में कथित वीडियो से रेवन्ना के संबंध का पता नहीं चलता और पीड़ित एवं उसकी बेटी के बयानों में विरोधाभास को रेखांकित किया। नवदगी ने रेवन्ना के फोन में इस तरह के किसी आपराधिक वीडियो के होने से इनकार किया। उन्होंने यह भी दलील दी कि जिस फोन को लेकर सवाल किया जा रहा है वह रेवन्ना के ड्राइवर कार्तिक का है और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (FSL) की रिपोर्ट अधूरी थी।

24 अक्टूबर को ओडिशा के तटों से टकराएगा साइक्लोन दाना

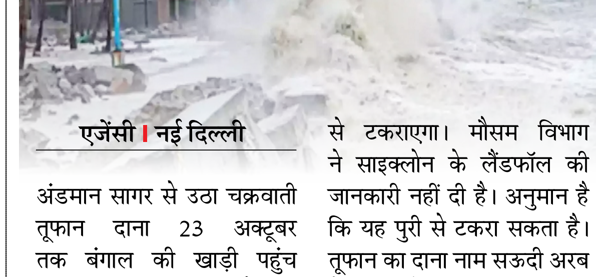

एजेंसी । नई दिल्ली

अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंच जाएगा। 24 अक्टूबर को यह ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा। मौसम विभाग ने साइक्लोन के लैंडफॉल की जानकारी नहीं दी है। अनुमान है कि यह पुरी से टकरा सकता है। तूफान का दाना नाम सऊदी अरब ने दिया है। दाना का मतलब उदारता होता है।

120kmph की रफ्तार से हवा चलेगी

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 23 अक्टूबर से ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर हवा की रफ्तार 60 Kmph तक पहुंचने का अनुमान है, जो 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक बढ़कर 120 Kmph हो जाएगी। IMD के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, तूफान के टकराने से एक दिन पहले यानी 23 अक्टूबर को ही भारी बारिश शुरू हो जाएगी। ओडिशा-बंगाल के तटीय इलाके में कुछ स्थानों पर 24-25 अक्टूबर को 20 सेमी बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर 30 सेमी यानी 11 इंच (एक फुट) से ज्यादा बारिश भी हो सकती है।

खबर संक्षेप

JMM प्रत्याशी और मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने किया नामांकन

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा सीट से झामुमो प्रत्याशी और मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सोमवार को दो सेटों में अपना नामांकन दाखिल किया। इसके लिए वे अपने समर्थकों के साथ मोटरसाइकिल से अनुमंडल कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष औबेदुल्ला हक अंसारी, शंभू राम, परेश तिवारी, रंका प्रमुख लीलावती हाजी निजाम आदि उपस्थित थे। शहर के टंडवा निवासी मो निजामुद्दीन (हाजी निजाम) और मेराल प्रखंड के चामा मुखिया शंभू राम उनके प्रस्तावक बने। मिथिलेश कुमार ठाकुर ने नामांकन के दौरान झामुमो और कांग्रेस नेताओं में काफी उत्साह दिखा। नामांकन के बाद मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि वह क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपार समर्थन देने के लिए उन्होंने अपने समर्थकों और क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता एक बार फिर उन्हें आशीर्वाद देगी। एक बार फिर से वह क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेंगे। नामांकन के लिए निकलने से पहले मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मां गढ़देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उसके बाद वे रामसाहू उच्च विद्यालय के स्टेडियम में पहुंचे। वहां सुबह से ही गढ़वा, मेराल, डंडा, रंका, रमकंडा, चिनियां आदि प्रखंडों से कार्यकर्ताओं की महाजुटान शुरू हो गया था।

हजारीबाग जेपी केंद्रीय कारा में पड़ा छापा

हजारीबाग : हजारीबाग में सुरक्षा को लेकर जेपी केंद्रीय कारा में सोमवार की अहले सुबह एसपी और एसडीओ के नेतृत्व में छापामारी की गई। ये छापा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही किया गया है, ताकी चुनाव में बाधा उत्पन्न न हो। पुलिस अधिकारियों ने लगातार तीन घंटे तक लगातार जांच अभियान चलाया। इस दौरान किसी भी तरह का आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं किया गया। सोमवार सुबह पांच बजे से आठ बजे तक सभी वार्डों की तलाशी ली गयी है। जेल के सामान्य वार्ड, अंडा सेल, जेल अस्पताल, सभी जेल पोस्ट समेत अन्य जगहों पर गहन छानबीन की गयी। छापेमारी में एसपी अरविंद कुमार सिंह, सदर एसडीओ अशोक कुमार, सदर सीओ मयंक भूषण, एसडीपीओ, इंस्पेक्टर, सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह, मुफ्फसिल थाना प्रभारी कुणाल किशोर, लोहसिंघना थाना प्रभारी संदीप कुमार समेत लगभग 100 पुलिस कर्मी शामिल थे। विधानसभा चुनाव में किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो इसे लेकर जेल में बंद शातिर और संगठित अपराधियों पर जेल प्रशासन की विशेष नजर है।

'मुझे तुमसे बिछड़ना ही पड़ेगा...'

- सुपुर्द-ए-खाक हुए शायर फहमी बदायूंनी
- लोगों ने नम आंखों से दी आखिरी विदाई

एजेंसी | बिसौली

मशहूर शायर पुत्तन खां फहमी बदायूंनी के शव को सोमवार को बिसौली कस्बे के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। उनके इंतकाल पर दुनियाभर के साहित्यकारों ने दुख व्यक्त किया। फहमी बदायूंनी 72 साल के थे। पिछले एक माह से उनकी तबीयत खराब चल रही थी। रविवार शाम को उनका निधन हो गया था। सोमवार को ईदगाह रोड पर नमाज-ए-जनाजा अदा कराई गई। ईदगाह रोड के पास कब्रिस्तान में दोपहर करीब दो बजे उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जाने-माने शायर और कवि उनके जनाजे में शामिल हुए। वहीं, बेटे जावेद ने पिता की कब्र को मिट्टी दी, लेकिन दूसरा बेटा नावेद विदेश से नहीं आ सका। वह रूस में हैं।

80 के दशक में शायरी में कदम

4 जनवरी 1952 को बिसौली कस्बे के मोहल्ला पठान टोला में जन्मे पुत्तन खां फहमी ने पढ़ाई करने के बाद लेखपाल की नौकरी की लेकिन नौकरी में उनका दिल नहीं लगा। इसके बाद 80 के दशक में शायरी में कदम रखा। उन्होंने पहले बिसौली व आसपास के मुशायरों में भाग लिया। इसके बाद एक मुशायरे में उन्होंने पढ़ा-प्यासे बच्चे पूछ रहे हैं, मछली-मछली कितना पानी, छत का हाल बता देता है, परनालों से बहता पानी। उनका यह शेर खासा प्रसिद्ध हुआ।

प्यासे बच्चे पूछ रहे हैं... शेर के बाद फहमी बदायूंनी का प्रदेश फिर देशभर के मुशायरों में आना जाना हो गया। एक के बाद एक उनके कई शेर खासे चर्चित हुए। उन्होंने देश में करीब 250 मुशायरों में शिरकत की। इंस्टाग्राम एप पर उनके फैन्स की संख्या लाखों में हैं। घर में उनके दो बेटे व पत्नी हैं। उन्होंने आखिरी मुशायरा बीती होली पर लखनऊ में किया था।

फहमी बदायूंनी ने तीन किताबें भी लिखीं

फहमी बदायूंनी ने तीन किताबें भी लिखीं। इनमें शेरी मजमूए, पांचवी सम्त और दस्तकें निगाहों की हैं। इसमें पांचवी सम्त को लोगों ने काफी पसंद किया। फहमी बदायूंनी सादगी पसंद थे, दुनिया की चकाचौंध से काफी दूर रहते थे। आज भी उनका घर काफी पुराना है। उनके शार्गिद ये शेर पढ़कर उन्हें याद करते नजर आए, हमारा हाल तुम भी पूछते हो, तुम्हें मालूम होना चाहिए था।

मुस्लिम शिक्षिका ने पीएम मोदी पर की अभद्र टिप्पणी

एजेंसी | गोपालगंज

समाज निर्माण का जिम्मा शिक्षक के पास होता है। उनके द्वारा कही गयी हर बात का असर बच्चों के चरित्र निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन उस वक्त क्या हो जब एक शिक्षक देश के प्रधानमंत्री के लिए न सिर्फ गलत शब्दों का प्रयोग करें, बल्कि बच्चों को ऐसी पंक्ति का अनुवाद करने के लिए कहे जिसमें देश के प्रधानमंत्री के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया हो। जी हां ऐसा ही मामला बिहार के गोपालगंज जिले के भोरे प्रखंड के डीह जैतपूरा में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से आया है। यहां की शिक्षिका सुल्ताना खातून ने देश के प्रधानमंत्री मोदी के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जो अब उनके लिए ही मुसीबत का सबब बन गया है। भोरे प्रखंड के डीह जैतपूरा में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका सुल्ताना खातून बीते पांच अक्टूबर को अंग्रेजी का क्लास ले रही थी।

मौर्य एक्सप्रेस में मची भगदड़

ट्रेन से कूदकर भागने लगे यात्री, कई यात्री हुए जख्मी

एजेंसी | गोरखपुर

सोमवार को सुबह लगभग 10 बजे गोरखपुर से संभलपुर को जाने वाली 15028 मौर्य एक्सप्रेस ट्रेन में जीरादेई स्टेशन से गाड़ी खुलने के कुछ समय बाद किसी यात्री द्वारा ट्रेन की किसी बोगी में आग लगने की अफवाह फैला दी गई। सूचना मिलते ही ट्रेन में सफर कर रहें यात्रियों की बीच बेचैनी बढ़ गई। यात्रियों ने सीवान स्टेशन के पश्चिम में अवस्थित दाहा नदी के बीच चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका।ट्रेन के रुकते ही उतरने के लिए यात्रियों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति हो गई।

ट्रेन से लगा दिया छलांग

पहले ट्रेन से उतरने के प्रयास में ट्रेन रुकने के पहले ही कई यात्री जन बचाने के लिए ट्रेन से छलांग लगा दिया।लगभग एक दर्जन लोगों को पहले उतरने के प्रयास में गिरने से मामूली चोट लग गई। इसी बीच किसी यात्री द्वारा आग बुझाने वाले अग्निशमन यंत्र को खोल दिया।अग्निशमन यंत्र से निकलने वाले गैस को कुछ यात्रियों ने आग का धुंआ समझ कर परेशान हो गये। लेकिन ट्रेन के चालक एवं गार्ड द्वारा यात्रियों को बताया गया कि ट्रेन में कहीं आग नहीं लगी है। किसी असमाजिक तत्वों द्वारा अफवाह फैलाई गई है। 13 मिनट के बाद ट्रेन सीवान जंक्शन के लिए रवाना हुई।

करहल उपचुनाव

सेना पूरी तरह तैयार, सेनापति का बेसब्री से इंतजार

- नामांकन में सिर्फ चार दिन शेष

एजेंसी | मैनपुरी

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के करहल विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा की सेना पूरी तरह तैयार है। भाजपा की सेना को अपने सेनापति का इंतजार है। भाजपा का प्रत्याशी घोषित नहीं होने से कार्यकर्ता असमंजस में हैं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने अंतिम समय में ही सपा के अखिलेश यादव के सामने केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल को चुनाव मैदान में उतारा था।

25 अक्तूबर तक नामांकन

करहल विधानसभा उपचुनाव के लिए 25 अक्तूबर तक नामांकन किए जाएंगे। नामांकन में चार दिन शेष बचे हैं। भाजपा हाईकमान अभी तक अपने प्रत्याशी के नाम पर अंतिम मोहर नहीं लगा सका है। उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी के रूप में एक पूर्व महिला सांसद, एक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सहित एक पूर्व मंत्री और एक केंद्रीय मंत्री की पुत्री के नाम चर्चाओं में चल रहे हैं।

भाजपा की नीतियों से समाज का हर वर्ग परेशान: आलोक शाक्य

सपा जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य ने कहा कि भाजपा की नीतियों से समाज का हर वर्ग परेशान है। सपा प्रत्याशी की घोषणा कर चुकी है। करहल क्षेत्र के मतदाता हमेशा से सपा के साथ हैं। सपा उपचुनाव में भी मजबूत है।

भाजपा दमदारी से उपचुनाव लड़ेगी: राहुल चतुर्वेदी

भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल चतुर्वेदी का कहना है कि भाजपा दमदारी से उपचुनाव लड़ेगी। हर कार्यकर्ता खुद को प्रत्याशी मानकर चुनाव मैदान में उतरेगा। एक दो दिन में ही भाजपा के प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

समाजवादी पार्टी से पूर्व सांसद तेजप्रताप सिंह यादव

भाजपा के जिम्मेदार पदाधिकारी भी प्रत्याशी के बारे में कुछ साफ बताने की स्थिति में नहीं हैं। उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी पूर्व सांसद तेजप्रताप सिंह यादव को प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। बसपा ने भोगांव क्षेत्र के गांव मानिकपुर के रहने वाले अवनीश कुमार शाक्य पर दांव लगाया है। सपा और बसपा के घोषित प्रत्याशियों ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर मतदाताओं से मिलना भी शुरू कर दिया है। सैफई से सटी करहल विधानसभा सीट पर लंबे समय से सपा का कब्जा चला आ रहा है। एक बार भाजपा की टिकट पर सोबरन सिंह यादव चुनाव जीते हैं। इसके बाद वह सपा की टिकट पर दो बार विधायक रहे हैं।

सपा किसी वर्ग का भला नहीं कर सकी: बसपा जिलाध्यक्ष

वहीं बसपा जिलाध्यक्ष प्रेमचंद्र शाक्य भाजपा और सपा किसी वर्ग का भला नहीं कर सकी है। बसपा ने भी प्रत्याशी घोषित कर दिया है। भाजपा और सपा से परेशान मतदाता बसपा का साथ देने का मन बना चुका है।

बहराइच हिंसा

डिप्टी एसपी के बाद एडिशनल एसपी ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी पर कार्रवाई

एजेंसी | बहराइच

बहराइच के महाराजगंज में हुई हिंसा के बाद अफसरों पर कार्रवाई जारी है। सोमवार को बहराइच के अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी को हटा दिया गया। उन्हें डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। वहीं, डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध चल रहे दुर्गा प्रसाद तिवारी को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बनाया गया। बता दें कि इसके पहले डिप्टी एसपी को निलंबित कर दिया गया था। बहराइच में 13 अक्तूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा में एक युवक की मौत हो गई थी, जिसके बाद जिले के कई इलाकों में जमकर उपद्रव हुआ था। इस दौरान प्रशासन पूरी तरह असहाय नजर आया था। हालांकि, मामले के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीएम योगी ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिजर्व पुलिस लाइन्स में पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों का सम्मान भी किया।

सीएम योगी ने यूपी की कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिसकर्मियों द्वारा किए जा रहे योगदान की सराहना की। इसके साथ पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों की बेहतरी के लिए यूपी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का विस्तार से उल्लेख भी किया।

यूपी रोडवेज में होने वाली है बंपर भर्ती, संविदा पर रखे जाएंगे 6000 बस ड्राइवर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में संविदा पर चालकों की बम्पर भर्ती होने जा रही हैं। शैक्षिक योग्यता और मिलने वाले पारिश्रमिक तय कर दिया गया है। प्रदेश भर के 115 डिपो में छह हजार संविदा चालकों की भर्ती की मंजूरी मिली है। इच्छुक आवेदनकर्ता शैक्षिक योग्यता के आधार पर अपने जिले के क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में आवेदन कर सकेंगे।

व्यापार जगत

अल्ट्राटेक सीमेंट का मुनाफा 36% घटकर ₹820 करोड़ रहा

- दूसरी तिमाही में रेवेन्यू 2.3% घटकर ₹15,634 करोड़ हुआ
- बीते एक साल में शेयर 30% चढ़ा

एजेंसी | मुंबई

आदित्य बिड़ला ग्रुप की स्वामित्व वाली सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक का वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार (YoY) 36% घटकर 820 करोड़ रह गया। एक साल पहले की समान तिमाही (Q2FY24) में कंपनी को 1,280 करोड़ का मुनाफा हुआ था। 21 अक्टूबर को कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे जारी किए हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर सोमवार को 2.08% की गिरावट के साथ 10,839 रुपए पर बंद हुआ। बीते एक साल में शेयर 30.19% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 3.12 लाख करोड़ रुपए है।

रेवेन्यू 2.36% घटकर ₹15,634 करोड़ रहा

अल्ट्राटेक सीमेंट के ऑपरेशन से रेवेन्यू में भी सालाना आधार पर 2.36% की गिरावट आई है। FY25 की दूसरी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 15,634 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी FY24 की दूसरी तिमाही में रेवेन्यू 16,012 करोड़ रहा था।

इनकम 2.00% घटकर ₹15,855 करोड़ रही

दूसरी तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम सालाना आधार (YoY) पर 2.00% घटकर 15,855 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 16,179 करोड़ रुपए थी। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी की टोटल इनकम 13.05% घटी है।

कंसॉलिडेटेड यानी पूरी कंपनी की रिपोर्ट

कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 619 अंक फिसला

निफ्टी में भी 72 अंक की गिरावट रही

एजेंसी | मुंबई

शेयर बाजार में 21 अक्टूबर को गिरावट मामूली गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 73 अंक की गिरावट साथ 81,151 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 72 अंक की गिरावट रही, ये 24,781 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले आज सेंसेक्स 546 अंक की बढ़त के साथ 81,770 के स्तर पर ओपन हुआ था। आज बैंकिंग और

FMCG शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। टाटा कंज्यूमर में 7.08% और कोटक बैंक के शेयर में 4.73% की गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में आज तेजी

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.07% की गिरावट रही। वहीं कोरिया का कोस्पी 0.43% और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.20% की तेजी के साथ बंद हुए। 18 अक्टूबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.08% चढ़कर 43,275 पर और नैस्डैक 0.63% चढ़कर 18,489 पर बंद हुआ। S&P 500 0.40% चढ़कर 5,864 पर बंद हुआ।

तिमाही नतीजों के बाद ZEE का शेयर 5% गिरा

एजेंसी | मुंबई

जुलाई-सितंबर तिमाही नतीजे के बाद देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक HDFC का शेयर आज यानी सोमवार (18 अक्टूबर) को 2.57% की तेजी रही। दिनभर के कारोबार के बाद बैंक का शेयर 43.15 चढ़कर 1,725 रुपए पर बंद हुआ। इधर, दूसरी तिमाही में मुनाफे के बावजूद ZEE एंटरटेनमेंट का शेयर आज दिनभर के कारोबार के बाद 4.86% गिरावट के साथ बंद हुआ। HDFC बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 16,821 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 5% बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 15,976 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक की टोटल इनकम सालाना आधार पर 9.04% बढ़कर 85,499 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 78,406 करोड़ रुपए रही थी। वहीं तिमाही आधार पर बैंक की इनकम 2.14% बढ़ी है। पहली तिमाही में यह 83,701 करोड़ रुपए रही थी। इधर, दूसरी तिमाही में मुनाफे के बावजूद ZEE एंटरटेनमेंट का शेयर आज दिनभर के कारोबार के बाद 4.86% गिरावट के साथ बंद हुआ। ZEE एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज का वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार (YoY) पर 61% बढ़कर 209 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 129 करोड़ का मुनाफा हुआ था। FY25 की दूसरी तिमाही में रेवेन्यू 2,000 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी FY24 की दूसरी तिमाही में रेवेन्यू 2,437 करोड़ रहा था।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का IPO 25 अक्टूबर को होगा ओपन

एजेंसी | मुंबई

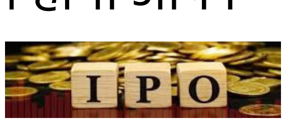

ट्रांसपोर्ट, कंस्ट्रक्शन, ऑयल एंड गैस सेक्टर में काम करने वाली कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर (IPO) 25 अक्टूबर को ओपन होगा। निवेशक इस इश्यू के लिए 29 अक्टूबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर 4 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी 5,430 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 1,250 करोड़ रुपए के 2,69,97,840 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी OFS के जरिए 4,180 करोड़ रुपए के 9,02,80,778 शेयर बेच रहे हैं।

नतीजों के बाद कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 5% टूटा

एजेंसी | मुंबई

जुलाई-सितंबर तिमाही नतीजे के बाद प्राइवेट सेक्टर लेंडर कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में आज यानी सोमवार, 21 अक्टूबर को 4.73% की गिरावट रही। कंपनी का शेयर दिनभर के कारोबार के बाद 88 रुपए गिरकर 1,782 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में बैंक को 3,344 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 5% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही (Q2FY24) में बैंक को 3191 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। जुलाई-सितंबर तिमाही में प्रइवेट सेक्टर बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम (NII) या कोर इनकम 11% बढ़कर 7,020 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का इंटरेस्ट इनकम 6,297 करोड़ रुपए रहा था।

₹78 हजार के रिकॉर्ड स्तर पर सोना

एजेंसी | नई दिल्ली

सोना और चांदी 21 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के आंकड़ों के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 804 रुपए बढ़कर 78,241 रुपए पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले इसके दाम 77,410 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में 4,971 रुपए की तेजी रही और यह 97,254 रुपए प्रति किलो के भाव से बिक रही है। इससे एक दिन पहले चांदी 92,283 रुपए पर थी। इससे पहले चांदी ने 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो का हाई बनाया था।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	78,214
22	71,644
18	58,661
सोर्स:	IBJA

4 महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,790 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 73,000 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

फुटबॉल डायरी 'ला लिगा चैंपियनशिप में टीम ने रियाल मैड्रिड से तीन अंक की बढ़त ली | अगले रविवार दोनों टीमें होंगी आमने-सामने

लेवांडोवस्की और टोरे के डबल से बार्सिलोना ने सेविला को शिकस्त दी

- 10 मैच में 9 जीत, एक हार से बार्सिलोना 27 अंक के साथ शीर्ष पर है
- 12 गोल कर लेवांडोवस्की सर्वाधिक गोल करने वालों में शीर्ष पर हैं

एजेंसी | मैड्रिड

दिग्गज फुटबॉलर रॉबर्ट लेवांडोवस्की और पाब्लो टोरे के दो-दो गोलों की मदद से बार्सिलोना ने 'ला लिगा चैंपियनशिप में सेविला को 5-1 से रौंद दिया। इसके साथ ही स्पेन की शीर्ष घरेलू लीग में लेवांडोवस्की ने अपने गोलों की संख्या 12 तक पहुंचा दी।

तालिका में शीर्ष पर

बार्सिलोना के लिए रविवार को खेले गए इस मैच में एक गोल पेड्री ने किया। इस जीत से बार्सिलोना ने चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड पर तीन अंक की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। ये दोनों टीमें इस सप्ताह रविवार को जब आपस भी भिड़ेंगी तो बार्सिलोना के हौसले बुलंद होंगे। पोलैंड के दिग्गज लेवांडोवस्की ने मैच के 24वें मिनट और 39वें मिनट में गोल दागे। पेड्री ने 28वें मिनट जबकि टेरी (82वां और 88वां मिनट) ने छह मिनट के अंदर दो गोल कर टीम की जीत के अंतर को बढ़ाया। बार्सिलोना के लिए दिग्गज मिडफील्डर गावी ने घुटने की चोट से उबर कर लगभग एक साल के बाद मैदान पर वापसी की।

अल नस्र का एसीएल मैच ईरान की बजाय दुबई में होगा

वॉशिंगटन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के क्लब अल नस्र का तेहरान के एस्तेगलाल क्लब के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच ईरान में सुरक्षा चिंताओं के कारण अब संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में होगा। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने यह जानकारी दी। सिर्फ अल नस्र ही नहीं बल्कि ट्रैक्टर का ताजिकिस्तान के रावशान के खिलाफ घरेलू मैच भी अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है। ईरान और कतर के बीच 15 अक्तूबर का मैच भी कतर से दुबई स्थानांतरित किया गया है।

भारत ने हैरानी जताई

भारत ने इस फैसले पर हैरानी जताई है क्योंकि 7 अक्तूबर को एएफसी ने कहा था कि कोलकाता के मोहन बागान क्लब ने ट्रैक्टर एससी के खिलाफ 2 अक्तूबर को दूसरी श्रेणी के चैंपियंस लीग दो के मैच के लिए ईरान जाने से इनकार किया था जिसे माना जाएगा कि उसने नाम वापस ले लिया है। मोहन बागान के प्रवक्ता ने कहा, क्लब ने देखा है कि एएफसी ने आखिरकार माना कि ईरान में सुरक्षा हालात गंभीर हैं और इसी वजह से कई मैच स्थानांतरित किए गए। मोहन बागान के मामले में भी ऐसा नहीं करने से लगेगा कि एएफसी पक्षपात कर रहा है। बागान ने अनुरोध किया था कि मैच की तारीख या स्थान बदला जाए। क्लब ने कहा कि एएफसी की सबंधित समिति के सामने अपील की गई है और उम्मीद है कि उसे खेलने का मौका मिलेगा।

अब कोई दर्द नहीं, घरेलू क्रिकेट खेलने की जरूरत : शमी

गुरुग्राम। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सोमवार को कहा कि उन्हें अब जरा भी दर्द महसूस नहीं हो रहा है। अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के चयन के लिए अपना दावा मजबूत करने के लिए उन्हें कम से कम एक या दो घरेलू मुकाबले खेलकर फिटनेस साबित करनी होगी।

अभी थोड़ा समय

शमी ने कहा, हर कोई लंबे समय से सोच रहा है कि मैं ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए जा पाऊंगा या नहीं लेकिन अभी इसमें थोड़ा समय है। मैं नहीं जानता कि मैं अगला मैच खेल सकता हूं या नहीं। लेकिन जिस दिन डॉक्टर मुझे मंजूरी दे देंगे और मैं 30 में से 20 ओवर गेंदबाजी करने में सक्षम रहा तो मैं खेलूंगा।

एक साल से बाहर

शमी पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेले हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में समाप्त हुए भारत के शुरुआती टेस्ट के बाद नेट पर गेंदबाजी की। हालांकि कुछ दिन पहले कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया था कि उनके घुटने में सूजन है जिससे पिछले साल लगी टखने की चोट से उबरने के लिए चल रहा उनका 'रिहैबिलिटेशन प्रभावित हुआ। सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान इस 34 वर्षीय गेंदबाज ने कहा, मैंने कल जिस तरह गेंदबाजी की, उससे खुश हूं। मैं इससे पहले आधे 'रन-अप से गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि मैं ज्यादा दबाव नहीं लेना चाहता था। लेकिन कल मैंने पूरे 'रन-अप से गेंदबाजी की।

न्यूज ब्रीफ

विश्व ब्रिज खेलों में भारत की मजबूत चुनौती

नई दिल्ली। विनय देसाई के नेतृत्व में मजबूत भारतीय दल मंगलवार से शुरू हो रहे 16वें विश्व ब्रिज खेलों की सभी चार श्रेणियों में चुनौती पेश करने के लिए तैयार है। ब्यूनस आयर्स में 3 नवंबर तक होने वाले भारतीय दल में 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव बर्धन (सीनियर वर्ग), राजू तालानी और जैग्गी शिवदासानी (ओपन वर्ग) जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। इस प्रतियोगिता के 'ओपन वर्ग में 34 जबकि महिला वर्ग में 24 देश प्रतिस्पर्धा करेंगे। टूर्नामेंट के पहले चरण में राउंड रॉबिन मुकाबले होंगे। इससे क्वालीफाई करने वाली टीमें अंतिम 16 के नॉकआउट चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिताएं ओपन, वरिष्ठ, महिला और मिश्रित श्रेणियों में आयोजित की जाएंगी।

सब जूनियर नेशनल रोइंग आज से रामगढ़ताल में

गोरखपुर। सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का मंगलवार से यहां रामगढ़ताल में आगाज होगा। 26 अक्तूबर तक होने वाली इस चैंपियनशिप में 20 राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें कुल 243 खिलाड़ी शामिल होंगे। इन खिलाड़ियों के साथ 43 कोच भी हैं। 26 अक्टूबर को चैंपियनशिप के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे।

हॉकी का ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर होना तय

मेलबर्न। हॉकी का 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर होना तय है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो लागत में कटौती करना चाहता है। इसकी जानकारी कई मीडिया रिपोर्ट में दी गई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। राष्ट्रमंडल खेल 2026 पहले ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में होने थे लेकिन वह बढ़ती लागत के कारण मेजबानी से हट गया था। खेलों का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया जाना है।

कार्लसन को चुनौती देंगे अर्जुन, प्रज्ञाननंदा और विदित

एजेंसी | कोलकाता

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ग्रैंड मास्टर मैग्नस कार्लसन 13 से 17 नवंबर तक यहां होने वाले 'टाटा स्टील शतरंज भारत के छठे सत्र में मुख्य आकर्षण होंगे। नॉर्वे का यह खिलाड़ी दूसरी बार इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेगा। उन्होंने इससे पहले 2019 में इसमें भाग लिया था और इसके विजेता बने थे।

युवा भी पेश करेंगे दावा

बुडापेस्ट में हाल में शतरंज ओलंपियाड में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अर्जुन एरिगैसी, आर प्रज्ञाननंदा और विदित गुजराती जैसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट के 'ओपन वर्ग में निहाल सरीन और एसएल नारायणन भी इसमें भारतीय चुनौती को पेश करेंगे। पिछले सत्र की तरह टूर्नामेंट में 'ओपन और 'महिला वर्ग की श्रेणियों में रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबलों के लिए समान पुरस्कार राशि होगी। महिला वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कोनेरू हम्पी, आर वैशाली, डी. हरिका, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल करेंगी।

शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद टूर्नामेंट के ब्रांड दूत बने रहेंगे। आनंद ने कहा, इस साल इस आयोजन में मैग्नस कार्लसन के नेतृत्व में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका पर बांग्लादेश का पलटवार

मीरपुर। कैगिसो रबाड़ा, वियान मुल्डर और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन बांग्लादेश को पहली पारी में 108 के स्कोर पर समेट दिया। लेकिन मेजबान टीम ने बाद में फिरकी गेंदबाज तैजुल इस्लाम (49 रन पांच विकेट) के दम पर पलटवार करते हुए दिन का खेल खत्म होने तक उसके छह विकेट झटक लिए थे। स्टंप्स के समय दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में छह विकेट पर 140 रन बनाए थे। उस समय काइल वेरेने 18 और विआन मुल्डर 17 रन पर क्रीज पर थे। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे और आधी टीम 45 के स्कोर पर लौट चुकी थी। सर्वाधिक 30 रन सलामी बल्लेबाज महमूदुल हसन ने बनाए।

'बिग बॉस 18': हेमा शर्मा हुईं घर से बेघर

छोटे पर्दे का सबसे चर्चित और लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 18वें सीजन को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। सलमान खान इस शो की मेजबानी कर रहे हैं। अब इस बीच 'वीकेंड का वार' एपिसोड में शो की प्रतियोगी हेमा शर्मा को बिग बॉस ने घर से बाहर का रास्ता दिखाया है। हेमा इस सीजन की पहली प्रतियोगी हैं, जिन्हें घर से बेघर किया गया है।

इन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं हेमा

हेमा एक अभिनेत्री, सामाजिक कार्यकर्ता और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। वह अपने डांस वीडियो की वजह से लोगों की बीच 'वायरल भाभी' के नाम से लोकप्रिय हैं। हेमा ने 'दबंग 3', 'यमला पागल दीवाना फिर से' और 'वन डे: जस्टिस डिलिवर्ड' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वह टीवी शो 'कहां हम कहां तुम' और 'सम्राट अशोक' में भी नजर आ चुकी हैं। हेमा वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का भी हिस्सा रही हैं।

विक्रांत मैसी ने छुए पत्नी शीतल ठाकुर के पैर

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी और अभिनेत्री शीतल ठाकुर के साथ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें दोनों करवा चौथ का त्योहार मनाते हुए नजर आ रहे हैं। चांद देखने और पानी पिलाने के बाद शीतल ने विक्रांत के पैर छुए, वहीं विक्रांत ने भी अपनी पत्नी शीतल ठाकुर के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। अब प्रशंसक विक्रांत के इस व्यवहार की खूब तारीफ कर रहे हैं।

प्रशंसकों ने दी प्रतिक्रिया

विक्रांत ने तस्वीरें साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'घर।' इन तस्वीरों पर प्रशंसक तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक ने लिखा, 'सच्चा प्यार कुछ ऐसा दिखता है।' एक अन्य ने लिखा, 'विक्रांत सर ने मेरा दिल चुरा लिया। बहुत सुंदर।' बता दें कि विक्रांत 18 फरवरी, 2022 को शीतल के साथ शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ने इस साल की शुरुआत में अपने बेटे का दुनिया में स्वागत किया है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म में गैंगस्टर उस्तारा बनेंगे शाहिद

'हैदर' और 'रंगून' के बाद, शाहिद कपूर हाल ही में फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज के साथ एक नई फिल्म के लिए फिर से जुड़े। अभिनेता भारद्वाज की एक्शन थ्रिलर में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। शाहिद और तृप्ति अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग इस साल दिसंबर में शुरू होने की उम्मीद है। शाहिद और तृप्ति ने कथित तौर पर विशाल की फिल्म के लिए तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद का किरदार एक गैंगस्टर का है, जो हुसैन उस्तारा पर आधारित है। शाहिद कपूर ने कथित तौर पर विशाल भारद्वाज की एक्शन थ्रिलर के लिए युद्ध प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। अभिनेता स्पष्ट रूप से एक्शन दृश्यों की मांग को पूरा करने के लिए 'गहन युद्ध प्रशिक्षण' से गुजर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 'उस्तारा जैसे किरदार की मानसिक बनावट को समझना बेहद महत्वपूर्ण है। विशाल, जो रंगून (2017) के सात साल बाद अभिनेता के साथ फिर से जुड़ रहे हैं, वह उस्तारा की प्रेरणाओं, भावनाओं और मानसिक लड़ाइयों के बारे में गहराई से जानने के लिए उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं।' जहां तक तृप्ति डिमरी की बात है तो अभिनेत्री का किरदार भी बदला लेने पर टिका है। फिलहाल, शाहिद और उनके साथी कलाकार व्यक्तिगत रूप से तैयारी कर रहे हैं। वे फिल्म की शूटिंग के करीब संयुक्त तैयारी शुरू करेंगे।

वनवास' 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

गदर: एक प्रेम कथा, अपने और गदर 2 जैसी हिट फिल्मों के साथ ज़ी स्टूडियो और अनिल शर्मा ने बड़ी सफलता हासिल की है। दशहरे पर उन्होंने अपनी अगली फिल्म 'वनवास' के बारे में एक बड़ी घोषणा की, जिसमें एक और शानदार फिल्म लाने का वादा किया गया। ऐसे में अब बिना किसी देती मेकर्स ने फिल्म के रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। जी हां! यह फिल्म सिनेमाघरों में इस 20 दिसंबर रिलीज होने के लिए तैयार है। 'वनवास' एक बहुत ही दिलचस्प कहानी होने वाली है, जो एक टाइमलेस थीम पर रोशनी डालेगी। यह दिखाएगी की कैसे फर्ज, सम्मान, और अपने कर्म के परिणाम जिंदगी को आकार देते हैं।

फिल्म के लिए बढ़ते उत्साह के चलते, मेकर्स ने रिलीज की तारीख की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी है। फिल्म 20 दिसंबर को रिलीज होगी, जो साल के अंत को शानदार तरीके से पूरी तरह से एंटरटेनमेंट से भर देगी। गदर के डायरेक्टर अनिल शर्मा की एक और बेहतरीन फिल्म वनवास एक दमदार और मनोरंजक कहानी का वादा करती है। इस फिल्म में नाना पाटेकर और गदर 2 के स्टार उत्कर्ष शर्मा लीड रोल में नजर आने वाले हैं। अनिल शर्मा द्वारा लिखित, प्रोड्यूस और डायरेक्टेड, वनवास ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा दुनिया भर में रिलीज़ होगी।

'मिथ्या: द डार्कर चैप्टर' का ट्रेलर जारी

हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मिथ्या: द डार्कर चैप्टर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह 2022 में आई 'मिथ्या' की दूसरी किस्त है। हुमा एक बार फिर जूही अधिकारी बन दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी। अब निर्माताओं ने 'मिथ्या: द डार्कर चैप्टर' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो सस्पेंस से भरपूर है और इसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। 'मिथ्या: द डार्कर चैप्टर' की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। 'मिथ्या: द डार्कर चैप्टर' का प्रीमियर 1 नवंबर, 2024 से OTT प्लेटफॉर्म ZEE5 पर होने जा रहा है। ZEE5 ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'क्या होगा जब आपके अतीत के रहस्य आपके वर्तमान को परेशान करने के लिए वापस आएंगे? जूही को यह पता चलने वाला है।' इस सीरीज में हुमा के अलावा अवंतिका दासानी, नवीन कस्तूरिया, रजित कपूर, इंद्रनील सेनगुप्ता और कृष्णा बिष्ट जैसे सितारे भी नजर आएंगे। कपिल शर्मा ने इस वेब सीरीज का निर्देशन किया है।

महाराष्ट्र में बीजेपी का ओल्ड इज गोल्ड दांव

विश्लेषण

अरुण लाल

जातीय-क्षेत्रीय समीकरण साधे, दिग्गजों के परिवारजनों को मिला टिकट

बीजेपी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है, जिसमें पार्टी ने पुराने और अनुभवी नेताओं के साथ-साथ नए चेहरों पर भी भरोसा जताया है। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम से और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से टिकट दिया गया है। पार्टी ने जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए मराठा, ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों के साथ संतुलन बनाने की कोशिश की है। तीन विधायकों का टिकट काटा गया है, जबकि 75 विधायकों पर भरोसा कायम रखा गया है। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यह सूची बनाई गई है, जिसमें तीन निर्दलीय विधायकों को भी शामिल किया गया है। इससे स्पष्ट है कि बीजेपी अपने पुराने नेताओं को प्राथमिकता दे रही है, साथ ही नए चेहरे भी लाने का प्रयास कर रही है ताकि चुनावी मुकाबले में बेहतर स्थिति बनाई जा सके।

महाराष्ट्र के जाति समीकरण का रखा ख्याल

बीजेपी ने महाराष्ट्र में जातीय समीकरण को ध्यान में रखते हुए अपनी पहली सूची में विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है। अनुसूचित जनजातियों से छह और दलित समुदाय से चार उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। इसके अलावा, ओबीसी और मराठा समुदायों पर विशेष ध्यान दिया गया है, खासकर माली, धनगर और वंजारा जातियों के प्रत्याशियों के चयन में। पार्टी ने अपने पुराने माधव फॉर्मूले की तरफ वापसी करते हुए सवर्णों को लुभाने के लिए ब्राह्मण समाज से भी छह उम्मीदवार उतारे हैं। हालांकि, पहली सूची में किसी भी मुस्लिम प्रत्याशी को जगह नहीं मिली है, जो सियासी रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह साफ है कि बीजेपी ने सामाजिक संतुलन बनाने के लिए जातीय समीकरणों को प्राथमिकता दी है, ताकि चुनावी मुकाबले में मजबूती से खड़ी रह सके।

आधी आबादी को 13 फीसदी हिस्सेदारी

महाराष्ट्र की महिलाओं को साधने के लिए बीजेपी ने अपनी पहली लिस्ट में 13 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है। भोकर से श्रीजया अशोक चव्हाण, फुलंबरी से अनुराधा अतुल चव्हाण, नासिक से सीमाताई महेश हिरे, कल्याण पूर्व से सुलभा गायकवाड, बेलापुर से विजय म्हात्रे, दहिसर सीट से मनीषा अशोक चौधरी, गोरेगांव से विद्या ठाकुर, पार्वती से माधुरी सतीश, शेगांव से मोनिका राजीव राजले, श्रीगोंडा से प्रतिभा पचपुते, कैज से नमिता मुंदडा, चिखली से श्वेता महाले और जिंतूर से मेघना बोर्डिकर को प्रत्याशी बनाया है। इस तरह बीजेपी ने महिलाओं को 13% हिस्सेदारी देकर उनकी भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास किया है, जो कि महिला वोटरों को अपने साथ जोड़ने की रणनीति का हिस्सा है। यह कदम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ पार्टी की चुनावी रणनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

परिवारवाद पर बीजेपी ने जताया भरोसा

परिवारवाद के मुद्दे पर हमलावर रहने वाली बीजेपी ने महाराष्ट्र में इससे किनारा कर लिया है। बीजेपी की पहली लिस्ट में देखें तो पार्टी के दिग्गज नेताओं के बेटे, बेटियों और भाई को टिकट दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बीजेपी सांसद अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण, मुंबई बीजेपी अध्यक्ष आशीष शेलार के भाई विनोद शेलार, पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को प्रत्याशी बनाया गया है। शिंदे गुट की शिवसेना के नेता पर फायरिंग करने के कारण जेल गए बीजेपी विधायक बबनराव पचपुते की पत्नी प्रतिभा सातपुते को श्रीगोंडा से प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री के नारायण

बीजेपी ने काटा तीन विधायकों का टिकट

बीजेपी ने अपनी पहली सूची में तीन मौजूदा विधायकों के टिकट काटे हैं। पार्टी ने विधायक टेकचंद सावरकर का टिकट काटकर प्रदेश अध्यक्ष बावनकुले को उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह पिंपरी चिंचवड के विधायक अश्विनी जगताप का टिकट काटकर उनकी जगह पर शंकर जगताप को उतारा है। बीजेपी ने कल्याण विधानसभा सीट से विधायक गणपत गायकवाड का टिकट काटकर उनकी पत्नी सुलभ गायकवाड को टिकट दिया है। गणपत गायकवाड ने शिवसेना विधायक पर फायरिंग की थी, जिसके चलते वो फिलहाल जेल में हैं। ऐसे में बीजेपी ने उनके सियासी प्रभाव को देखते हुए उनकी पत्नी पर भरोसा जताया है।

राणे के बेटे नीतीश राणे को कंकावली सीट से दोबारा प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के राज्यसभा सदस्य धनंजय महाडिक के छोटे भाई अमल महाडिक को टकट दिया है। पूर्व सीएम शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर के पोते संभाजी पाटिल निलंगेकर को पार्टी ने टिकट दिया है। पूर्व सांसद अनिल शिरोल के बेटे सिद्धार्थ शिरोल को प्रत्याशी बनाया है। चिंचवाड़ में दिवंगत विधायक लक्ष्मण जगताप की पत्नी अश्विनी का टिकट काटकर उनके भाई शंकर जगताप को टिकट दिया गया है। राज्यपाल हरिभाऊ जावले के राजवंश में लंबे समय तक रहे अमोल जावले को टिकट दिया गया है। बीजेपी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के परिवारों को तवज्जो देकर बड़ा सियासी दांव चला है ताकि उनके प्रभाव को पूरी तरह से चुनाव में भुना सके। इसीलिए बीजेपी ने परिवारवाद से भी परहेज नहीं किया है।

बीजेपी ने 10 नए चेहरे को बनाया प्रत्याशी

बीजेपी ने पुराने नेताओं के साथ-साथ नए चेहरों को भी मौका दिया है। बीजेपी ने 89 पुराने नेताओं को टिकट दिया है तो 10 नए चेहरों को टिकट दिया है। बीजेपी ने पहली बार जिन नेताओं को टिकट दिया है, उसमें प्रतिभा पचपुते, विनोद शेलार, राजेश बकाने, श्रीजया चव्हाण, शंकर जगताप, विनोद अग्रवाल, अनुराधा चव्हाण, सुलभा गायकवाड, राहुल आवाडे और अमोल जावले के नाम शामिल हैं। इस तरह बीजेपी ने नए चेहरे को उतारकर सियासी केमिस्ट्री बनाने की कोशिश की है, लेकिन गोपीनाथ मुंडे के परिवार से अभी किसी को टिकट नहीं दिया है।

लोकसभा में हारे नेताओं पर जताया भरोसा

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में हारने वाले कई दिग्गज नेताओं को विधानसभा चुनाव में उतारा है। चंद्रपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव हारने वाले शिंदे सरकार के वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बीजेपी ने बल्लापुर विधानसभा सीट से टिकट दिया है। ऐसे ही उत्तर पूर्व लोकसभा क्षेत्र से चुनाव हारने वाले मुलुंड के विधायक व पार्टी के कोषाध्यक्ष मिहिर कोटेचा पर फिर भरोसा जताया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के कैंडिडेट संजय दीना पाटिल से वो लोकसभा का चुनाव हार गए थे। बीजेपी ने पहली सूची में तीन निर्दलीय विधायकों को अवसर दिया है। इनमें उरान से महेश बाल्दी, देवली से राजेश बाकाणे और गोंदिया से विनोद अग्रवाल का नाम शामिल है।

क्षेत्रीय समीकरण साधने का चला दांव

बीजेपी के उम्मीदवारों की पहली फेहरिस्त में सबसे ज्यादा उम्मीदवार विदर्भ के इलाके में उतारे हैं। बीजेपी ने विदर्भ की 23 सीटों पर प्रत्याशी के नाम का ऐलान किया है। इसके बाद उत्तर महाराष्ट्र की 19 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। मराठवाड़ा इलाके की 16 सीट पर बीजेपी ने टिकट दिए हैं। मुंबई की 36 में से 14 सीट पर बीजेपी ने अभी अपने प्रत्याशी उतारे हैं, लेकिन कोंकण इलाके की दो सीटों पर अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। इस तरह बीजेपी का खास फोकस विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र पर है, जहां से उसकी मुख्य लड़ाई कांग्रेस से है। कोंकण के इलाके में बीजेपी एकनाथ शिंदे की शिवसेना के भरोसा है, जिसके चलते उम्मीदवार नहीं उतारे हैं।

बीजेपी ने बना रखा कई सीट पर सस्पेंस

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से करीब 155 से 160 सीट के बीच चुनाव लड़ेगी। ऐसे में बीजेपी ने अपनी पहली लिस्ट 99 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, जिसके चलते तकरीबन 60 सीटों बची हुई हैं। बीजेपी ने अभी तक सिर्फ तीन विधायकों के टिकट काटे हैं। 2019 में बीजेपी 104 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, जिनमें से बीजेपी अपने 71 विधायकों को टिकट दिए हैं और तीन टिकट काटे हैं। बीजेपी के 29 विधायक बच रहे हैं, जिनकी सीटों पर सस्पेंस बना हुआ है। अब देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी अपने विधायकों में से कितने सीटों पर टिकट देगी और कितना का टिकट काटेगी।

चुनावी चकल्लस

अमित बृज

आरएसएस की 'स्पेशल टोलियां'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में वापस लाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सक्रियता बढ़ा दी है। 288 सीटों वाली विधानसभा में महायुति और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। आरएसएस ने अपने कार्यकर्ताओं को समूहों में बांटकर 50,000 से अधिक छोटी बैठकें और संपर्क अभियान शुरू किया है। भाजपा के सूत्रों के अनुसार, ये बैठकें स्थानीय स्तर पर आयोजित की जा रही हैं, जहां संघ के स्वयंसेवक हिंदुत्व विचारधारा का समर्थन करते हुए लोगों से संवाद कर रहे हैं। आरएसएस की मजबूत उपस्थिति और जमीनी स्तर पर किया गया यह काम भाजपा की चुनावी संभावनाओं को मजबूत करने में मददगार हो सकता है। भाजपा को उम्मीद है कि संघ का यह अभियान राज्य में उनकी स्थिति को और मजबूत करेगा, जिससे वे चुनाव में सफलता हासिल कर सकें।

महाराष्ट्र में बागी की टेंशन नहीं भरोसमंद बने रहने का इनाम

महाराष्ट्र में बीजेपी ने यूपी के अनुभव को ध्यान में रखते हुए पुराने विधायकों को फिर से टिकट दिया है, ताकि पार्टी में बागियों की समस्या न बढ़े। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद अन्य पार्टियों में बगावत और मतभेद देखने को मिले, जबकि बीजेपी इस स्थिति से बचे रहने में

सफल रही। पिछले चुनाव में जीते 106 विधायकों ने पार्टी के आदेशों के प्रति एकजुटता दिखाई, जिसे पार्टी ने महत्वपूर्ण माना। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर बीजेपी ने हरियाणा और मध्य प्रदेश की तरह टिकट काटने की नीति अपनाई, तो इससे पार्टी में भगदड़ मच सकती है। हरियाणा और एमपी में विधायकों को कांग्रेस जैसे विकल्पों के दरवाजे खुले हैं, जबकि महाराष्ट्र में बीजेपी के अलावा पांच अन्य दल भी इस स्थिति का लाभ उठा सकते हैं। इसीलिए चुनावी रणनीति में बीजेपी ने ऐसे कदम उठाए हैं जिससे पार्टी की एकता और स्थिरता बनी रहे।

'परिवारों' के खाते में टिकट ही टिकट

देश में चुनावों का दौर शुरू हो चुका है, और इस बार टिकट वितरण में राजनीतिक दलों ने परिवारों और उत्तराधिकारियों पर खास भरोसा जताया है। झारखंड, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। उदाहरण के लिए, झारखंड में बीजेपी ने पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे, पत्नी और बहू को टिकट दिया है। बिहार में जगदानंद के छोटे बेटे और जीतनराम मांझी की बहू को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह, झारखंड में मधु कोड़ा और अर्जुन मुंडा की पत्नियों को टिकट मिला है, जबकि महाराष्ट्र में अशोक चह्वाण की बेटी भी चुनावी मैदान में उतरने वाली हैं। इस प्रकार, लगभग हर दल ने चुनावी मैदान में परिवारों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि राजनीतिक उत्तराधिकारिता इस बार एक प्रमुख कारक साबित हो सकती है। यह स्थिति दर्शाती है कि राजनीतिक दल अपने पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए टिकट वितरण में विशेष ध्यान दे रहे हैं।

JDU के दोनों कैंडिडेट 'CM किलर'

यह सच है कि नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने एनडीए गठबंधन के तहत झारखंड चुनाव में जिन 11 सीटों पर अपना दावा ठोका, उनमें से एक भी सीट नहीं मिली। भाजपा ने रणनीति के तहत केवल दो सीटें—तमाड़ और जमशेदपुर पश्चिम—जेडीयू को दी हैं, जिन पर गोपाल पातर उर्फ राजा पीटर और सरयू राय

उम्मीदवार हैं। राजा पीटर को 'सीएम किलर' कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने शिबू सोरेन को हराया था, जबकि सरयू राय ने रघुवर दास को परास्त कर झारखंड की राजनीति में भूचाल ला दिया। एनडीए के रणनीतिकारों का यह फैसला फिलहाल सफल रहा है। सरयू राय, जो पहले भाजपा के रणनीतिकार रहे हैं, झारखंड की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। 2005 में विधायक बने सरयू राय ने 2009 में कांग्रेस उम्मीदवार से मामूली अंतर से हारने के बाद भाजपा से दूरी बनाने का प्रयास किया। 2019 में रघुवर दास के साथ उनकी कटुता इतनी बढ़ गई कि उन्हें टिकट से वंचित कर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने भारतीय जन मोर्चा का गठन किया। राजा पीटर की चर्चा भी तब शुरू हुई जब उन्होंने 2009 में रमेश सिंह मुंडा की हत्या के बाद उप चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के खिलाफ शिबू सोरेन को हराया। इस तरह, दोनों उम्मीदवारों की राजनीतिक पृष्ठभूमि और प्रभाव झारखंड में भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

हरियाणा की हार से डरी कांग्रेस

अब महाराष्ट्र में विद्रोही संकट से निपटने का खास प्लान

रणनीति

धीरज सिंह

हरियाणा की अप्रत्याशित हार से डरी कांग्रेस अब महाराष्ट्र में फूंक-फूंककर कदम रखना चाहती है। विद्रोही फैक्टर की वजह से हरियाणा में बड़ा नुकसान उठाने वाली कांग्रेस नहीं चाहती कि महाराष्ट्र में भी उसके नेताओं में असंतोष हो। टिकट बंटवारे के वक्त सबसे ज्यादा विद्रोही निकलकर बाहर आते हैं। जब नेताओं की टिकट की इच्छा पूरी नहीं हो पाती तो वह खुद अपनी पार्टी के खिलाफ चुनौती खड़ी कर देते हैं। वे या तो दूसरे दल का रुख करते हैं या फिर कहीं जगह ना मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ जाते हैं। हरियाणा में ऐसे ही हालात देखने को मिले थे।

कांग्रेस का खास प्लान तैयार

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि कांग्रेस सबसे पहले सभी क्षेत्रों में पर्यवेक्षको की नियुक्ति करेगी ताकि नेताओं में असंतोष को कम किया जा सके। इसके अलावा उन्हें भविष्य में संतुष्ट करने का आश्वासन देकर पार्टी में रोके रखने का काम भी सौंपा जाएगा।

तीन ऑब्जर्वर की नियुक्ति

ऑब्जर्वर के तौर पर नियुक्त होने वाले नेताओं को यह भी जिम्मेदारी दी जाएगी कि पार्टी का कोई नेता अपने ही उम्मीदवार के खिलाफ काम ना करे। ऑब्जर्वर्स की नियुक्ति में सामाजिक प्रोफाइल को ध्यान में रखा जाएगा। सभी पांच रीजन के लिए दो या तीन ऑब्जर्वर की नियुक्ति की जा रही है। जैसे कि मुंबई/कोंकण रीजन के लि अशोक गहलोत और पूर्व सीएम भूपेश बघेल और चरणजीत सिंह चन्नू, विदर्भ के लिए सांसद उमंग सिंघार, मराठवाड़ा के लिए सचिन पायलट और उत्तम रेड्डी। पार्टी ने ऐसे लोगों को एआईसीसी पदाधिकारी बनाने का फैसला किया है जिनकी जमीनी पकड़ भी मजबूत हो। इसमें मुकुल वासनिक और अविनाश पांडेय का नाम शामिल है।

मैक्रो मैनेजमेंट पर फोकस

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि टिकट की इच्छा रखने वाले जिन लोगों को टिकट नहीं मिलता है वे विरोधियों के आसान टारगेट होते हैं। उनको लालच देकर पार्टी का नुकसान करवाया जाता है। हरियाणा में भी देखा गया कि विद्रोहियों ने अपनी ही पार्टी के उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचाया। ऐसे में पार्टी मैक्रो मैनेजमेंट परध्यान दे रही है ताकि महाराष्ट्र में ऐसी स्थिति का सामना ना करना पड़े। ऑब्जर्वर्स की प्रोफाइल भी ऐसी होनी चाहिए जो कि नेताओं को वादा कर सकें और उसे पूरा भी किया जा सके।